



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 158]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 26, 2003/आषाढ़ 5, 1925

No. 158]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 26, 2003/ASADHA 5, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जून, 2003

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय: चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, ताइवान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, फिलीपींस और थाईलैंड मूल के अथवा वहां से निर्यातित कॉपर क्लैड लैमिनेट्स के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक जांच परिणाम।

सं.-14/44/2002-डी जी ए डी.— सन् 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उनपर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क) प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

- (i) निर्दिष्ट अधिकारी (जिसे आगे अधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमावली के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से मै. गुजरात परस्ट्रोप इलेक्टॉनिक्स लि., गांधीनगर की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, ताइवान, दक्षिण कोरिया,

सिंगापुर, फिलीपींस और थाईलैंड (जिन्हे आगे संबद्ध देश कहा गया है) मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए कॉपर क्लैड लैमीनेट्स के पाटन का आरोप लगाया गया है;

- (ii) प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, ताइवान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, फिलीपींस और थाईलैंड (जिन्हे आगे संबद्ध देश कहा जाएगा) के भारत में स्थित दूतावासों को नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच को शुरू करने की कार्रवाई से पहले याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए पाटन संबंधी आवेदन के प्राप्त होने के बारे में सूचित किया ।
- (iii) प्राधिकारी ने 24 दिसंबर, 2002 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया जिसके द्वारा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची में शामिल कॉपर क्लैड लैमीनेट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू की गई ।
- (iv) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों, आयातकों उद्योग संघों तथा शिकायतकर्ताओं को भेजी और उन्हें अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराने का अवसर प्रदान किया ।
- (v) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6 के उपनियम (3) के अनुसार सभी ज्ञात निर्यातकों तथा भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों को याचिका की एक प्रति भेजी ।

- (vi) प्राधिकारी ने संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, ताइवान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, फिलीपींस और थाईलैंड से निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी ।

### चीन जनवादी गणराज्य

इंटरनैशनल लैमीनेट मैटीरियल लि.

हूआलिडा कॉपर क्लैड लैमीनेट कं. लि.

टोंगलिंग हुआ रूई इलैक्ट्रॉनिक्स मैटीरियल कं. लि.

शंघाई नान्या कॉपर क्लैड लैमीनेट कं. लि.

आईसोला लैमीनेट सिस्टम (सुगहू) कं. लि.

### हांगकांग

मे. किंगबोर्ड कैमिकल होल्डिंग लि.

मे. नाम हिंज इंडस्ट्रियल लैमीनेट लि.

आईसोला एशिया पैसीफिक (हांगकांग) लि.

### ताइवान

मै. चांग चुन प्लास्टिक कं. लि.

मै. चिंग कूआंग कैमिकल्स कं. लि.

मै. नान या प्लास्टिक कॉरपोरेशन

आईसोला एशिया पैसीफिक (ताइवान) इंक

### दक्षिण कोरिया

दूसान इलैक्ट्रो मैटीरियल कं. लि.

### सिंगापुर

मै. नैल्को प्रोडक्ट्स प्रा. लि.

मै. आईसोला एशिया पैसिफिक (सिंगापुर) इंक

### थाईलैंड

बैंकाक इंडस्ट्रियल लैमीनेट कं. लि.

### फिलीपींस

आईसोला पैसीफिक इंक

मै. आईसोला पैसीफिक इंक, फिलीपींस, दूसान इलैक्ट्रानिक्स मैटीरियल कं. लि. कोरिया (जनवादी गणराज्य), मै. किंगबोर्ड कैमिकल होल्डिंग लि. हांगकांग, मै. नाम हिंग इंडस्ट्रियल लैमीनेट लि., चीन जनवादी गणराज्य और मै. नान या प्लास्टिक कॉरपोरेशन, ताइवान ने निर्यातकों की प्रश्नावली का उत्तर दिया । कुछेक निर्यातकों और आयातकों ने प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए समय वृद्धि की मांग की और प्राधिकारी ने निर्यातकों तथा आयातकों के अनुरोध पर विचार करने के बाद प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए समय में वृद्धि प्रदान की ।

- (vii) नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों को जांच शुरू होने के बारे में सूचना दी गई और उनसे अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें ।

(viii) विदेश व्यापार मंत्रालय (एमओएफटीयू) बीजिंग, चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, ताइवान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, फिलीपींस और थाईलैंड को जांच शुरू होने के बारे में सूचित किया गया और उसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भरकर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था ।

(ix) संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात उपयोक्ताओं/आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई :-

- मै. पीसीएस इंडस्ट्रीज़ लि. पुणे 411006;
- मै. संदूर लैमिनेट्स लि., बंगलौर 560022;
- मै. बेकलाईट हाइलम लि., सिकंदराबाद 500003;
- मै. अकासका इलैक्ट्रॉनिक्स लि., नवी मुंबई 400705;
- मै. आनंद इलैक्ट्रॉनिक्स एंड इंडस्ट्रीज़ तमिलनाडु
- मै. एटी एंड एस इंडिया लि., नानजानगुड-571301
- मै. बीसीसी फ्यूबा इंडिया लि., नई दिल्ली 110066
- मै. भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लि., बंगलौर 560013
- मै. बीएलजी इलैक्ट्रॉनिक्स लि., गुजरात
- मै. बीपीएल लि., डोडाबल्लारपुर 561203
- मै. कैपरोनिक्स प्राईवेट लि., बंगलौर 560029
- मै. सर्किट सिस्टम्स (आई) लि., गांधीनगर 382044
- मै. सर्किट टेक्नोलॉजी ., बंगलौर 560058
- मै. कॉस्मिक इंजीनियरिंग इंटरप्राइसिज़, हैदराबाद 500762
- मै. डेक्कन सर्किट्स प्रा. लि., पुणे 411004
- मै. इलैक्ट्रानिक कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि., हैदराबाद 500062

- मै. इलैक्ट्रानिक फोटो फैब्रिकेटर्स, पुणे 411012
- मै. एपीटोम कम्पोनैट्स लि. अहमदनगर 414111
- मै. एक्सल सर्किट्स प्रा. लि., बंगलौर 562106
- मै. इलैक्ट्रोटेक सर्किट (आई) लि. पुणे 411037
- मै. एमको इलैक्ट्रॉनिक्स, मुंबई 400022
- मै. फाइनलाईन सर्किट्स, मुंबई 400096
- मै. गर्ग इलैक्ट्रॉनिक्स, पंचकुला 134109
- मै. गुजरात नर्मदा वैली फर्टीलाइजर्स क. लि., भरुच 392015
- मै. एच बी सी फ्लैक्सटैक लि., हैदराबाद 500037
- मै. हिरेल सर्किट प्रा.लि., गांधीनगर 382044
- मै. इन्फोसैंटर प्रा. लि. हैदराबाद 500062
- मै. इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज़ लि., नई दिल्ली 110024
- मै. आई टी आई लि., केरल, 678623
- मै. आई टी आई लि., गोंडा 271308, उत्तर प्रदेश
- केरल स्टेट इलैक्ट्रानिक्स डेवलपमेंट कारपोरेशन लि., त्रिवेंद्रम
- मै. किरलोस्कर इलैक्ट्रिक कं. लि. मैसूर 571186
- मै. लियो सर्किट बोर्ड्स प्रा. लि., नवी मुंबई
- मै. लिंक्स माइक्रो इलैक्ट्रानिक्स लि., लखनऊ 226016
- मै. मल्टी लाइन सर्किट मुंबई 400060
- मै. मल्टी लाइन इलैक्ट्रानिक्स प्रा. लि., पुणे 411026
- मै. ओबराय इलैक्ट्रानिक्स प्रा. लि., फरीदाबाद, हरियाणा
- मै. ओमेगा कारपोरेशन, मुंबई 400098
- मै. एन एस पी इलैक्ट्रानिक्स, बंगलौर 560049
- मै. न्यूटैक सर्किट, बंगलौर 560068
- मै. इंडियन प्रिंटिंग सर्किट एसोसिएशन (आई पी सी ए), बंगलौर 560016

- (x) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उपलब्ध कराई और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा ।
- (xi) XXX यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का द्योतक है तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय ही माना गया है ।
- (xii) यह जांच 1 जनवरी, 2002 से 30 सितंबर 2002 तक के लिए की गई थी ।
- (xiii) प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग की मौके पर जांच की ।
- (xiv) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत तथा भारत में इसकी निर्माण एवं बिक्री की लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का भी विश्लेषण किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जाए कि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- (xv) जांच शुरुआत संबंधी सूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन के लिए फिक्की, सीआईआई, एसोचैम आदि को भी भेजी गई ।

ख) याचिकाकर्ता के विचार:

3. याचिकाकर्ता, मै. गुजरात पर्सटोर्प इलेक्ट्रॉनिक्स लि., कोलकाता ने अपने अनुरोधों में निम्नलिखित तर्क दिए : -

i) मौजूदा याचिका में विचाराधीन उत्पाद कॉपर क्लैड लैमीनेट (सीसीएल) है, कॉपर क्लैड लैमीनेट प्रिंटिंग सर्किट बोर्डों को बनाने के लिए प्रयुक्त किए गए एक पेपर या ग्लास फैब्रिक है। लैमीनेट बहुस्तरीय पेपर अथवा ग्लास फैब्रिक है, जिसे रेजिन का प्रयोग करके जोड़ा अथवा फिक्स किया जाता है। कॉपर फायल को शीट के ऊपर लैमीनेट किया जाता है (दोनों अथवा एक ओर) ताकि लैमीनेट में धारा प्रवाह की क्षमता उत्पन्न हो सके। ग्लॉस एपोक्सी, पेपर फेनोलिक अथवा कंपोजिट से बने हुए अनेक प्रकार के कॉपर क्लैड लैमिनेट्स हैं। इन्हें आगे कॉपर फायल के साथ लैमिनेट किया जाता है जो अपेक्षानुसार इकतरफा अथवा दुतरफा हो सकता है जो पुनः मोटाई में अलग अलग हो सकता है। हालांकि, फायल की मोटाई मोटे तौर पर समान (18/35/70 माईक्रोन) होती है तथापि, विशिष्ट अंतिम अपेक्षा के अनुसार अनेक प्रिप्रेग्स को एक साथ लैमिनेट किया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप अंतिम उत्पाद की मोटाई अलग-अलग हो जाती है। इस प्रकार जहां अलग-अलग लैमिनेट्स संबद्ध लागत और कीमत (कच्ची सामग्री की लागत में प्राथमिक अंतर के कारण) के संबंध में अलग-अलग हो जाते हैं वहीं अलग-अलग प्रकार के लैमिनेट्स समान उत्पादन प्रक्रिया से विनिर्मित किए जाते हैं।

ii) लैमिनेट्स का वर्गीकरण सीमाशुल्क अध्याय 74 के अंतर्गत किया गया है। इस उत्पाद का कोई प्रकट सीमाशुल्क वर्गीकरण नहीं है। इसके अतिरिक्त



भिन्न लागतों तथा कीमतों वाले विभिन्न प्रकार के लैमीनेट हैं । अन्य उत्पादों के आयात इस वर्गीकरण में दिए गए हैं । इसी समय लैमीनेट वस्तु, अन्य विभिन्न सीमाशुल्क उप-वर्गीकरण के तहत भी सूचित किए गए हैं । मौजूदा जांच के कार्यक्षेत्र तथा प्रस्तावित शुल्क को सीमाशुल्क उप-वर्गीकरण का ध्यान रखे बगैर अध्याय 74 के तहत आने वाली संबद्ध वस्तुओं में बढ़ाया जा सकता है ।

- iii) भारत में कॉपर क्लैड लैमीनेट का आयात पिछले 3-4 वर्षों से अधिक वर्षों से किया जा रहा है । पाटन ने दो अन्य भारतीय उत्पादकों को पहले से ही हटा दिया है । संबद्ध वस्तुओं के पाटन की सीमा ऐसी है कि याचिकाकर्ता ही एकमात्र कार्यशील कंपनी रह गया है । इस समय भारत में याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र विनिर्माता है । बेकलाइट हाइलम लिमिटेड, पीसीएस और संदूर लैमीनेट कॉपर क्लैड लैमीनेट के अन्य उत्पादक थे । संदूर लैमीनेट 100% निर्यात अभिमुख इकाई (इओयू) है । दुर्भाग्यवश संबद्ध देशों से उत्पाद के अत्यधिक पाटन से एक-एक करके अन्य उत्पादक समाप्त हो गए हैं ।
- iv) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं में कोई प्रमुख अंतर नहीं है । ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप में प्रतिस्थापनीय हैं । उपभोक्ताओं ने इन दोनों का प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया है । याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुएं पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं की समान वस्तु है ।
- v) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 31 मई, 2002 के संशोधन के बाद चीन के विरुद्ध शुरु की गई सभी जांचों में चीन को व्यवहारिक रूप से गैर-अर्थव्यवस्था

वाला देश माना है । यहां तक कि 4 जनवरी 2002 के संशोधन के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना है । याचिकाकर्ता ने चीन जनवादी गणराज्य में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत को परिकलित किया है ।

- vi) जहां तक अन्य देशों का संबंध है, याचिकाकर्ता ने इन देशों के लिए परिकलित उत्पादन की लागत को स्वीकार किया है । इस प्रयोजन के लिए याचिकाकर्ता ने महत्वपूर्ण कच्चे माल के लिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर विचार किया है तथा अपने अनुभव के आधार पर परिवर्ती लागतों का प्रयोग किया है ।
- vii) याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित श्रेणियों में कारोबार वार आयातों की समीक्षा की है : एक्स पी सी, एफ आर - 1 और 2, एफ आर - एस, एफ आर - डी, सी ई एम 1. संलग्न सूचना से देखा जा सकता है कि वर्ष 2001-02 के अनेक आयात सौदों को उपर्युक्त श्रेणियों के संबंध में अभिज्ञात किया गया है ।
- viii) सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमतों की तुलना पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए की गई है । यह देखा जा सकता है कि पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है बल्कि यह काफी अधिक भी है ।
- ix) यह देखा जा सकता है कि प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमाओं से अधिक है । आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है, क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तुओं से प्रतिस्पर्द्धा करते हैं । अतः प्राधिकारी से संबद्ध देशों से

संचयी रूप में घरेलू उद्योग की हुई क्षति का मूल्यांकन करने का अनुरोध किया जाता है ।

- x) संबद्ध लैमीनेट के विभिन्न प्रकार हैं जिनमें कच्चे माल की मात्रा तथा मोटाई के रूप में भिन्नता है । भिन्न-भिन्न लैमीनेट की भिन्न-भिन्न लागतें तथा कीमतें हैं । न केवल पाटनमार्जिन का निर्धारण तुलनीय प्रकारों के लिए किए जाने की आवश्यकता है तुलनीय प्रकारों का प्रयोग करते हुए क्षति के मार्जिन का निर्धारण करने की भी आवश्यकता है । तथापि, चूंकि भिन्न-भिन्न लैमीनेट एक समान उत्पाद है, इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति को भिन्न-भिन्न प्रकारों के लिए संचयी रूप से देखा जा सकता है ।
- xi) संबद्ध देशों से जांच की अवधि में आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है और कुल आयातों की तुलना में उनके बाजार के हिस्से के रूप में वृद्धि हुई है तथा भारत में कुल मांग तथा घरेलू उद्योग के उत्पादन के बारे में वृद्धि हुई है । पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में वर्ष 2001-02 के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में गिरावट आई । यद्यपि, बिक्री कीमत में गिरावट नहीं आई है तथापि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है और वह घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से भी कम है जिससे कीमत कटौती तथा कीमत ह्रास/न्यूनीकरण की स्थिति उत्पन्न हुई है । याचिकाकर्ता ने यह दर्शाते हुए कि याचिकाकर्ता को संबद्ध देशों से पाटित आयातों द्वारा वास्तविक क्षति हुई है, कारणात्मक संबंध के साक्ष्य सहित भंडार सूची, लाभप्रदता, नकदी प्रवाह, उत्पादकता, विकास, निवेश जुटाने की क्षमता, रोजगार जैसे क्षति संबंधी अन्य मापदंडों को भी प्रस्तुत किया है ।

ग) आयातक एवं प्रयोक्ता

4. आई पी सी ए, बंगलौर, ए टी एंड एस मैसूर, ई सी आई एल, हैदराबाद, मै. सुलक्षणा सर्किट्स लि. हैदराबाद, सन्मार माइक्रोपैक लि. बंगलौर, मै. अकास्का इलैक्ट्रानिक्स लि. नवी मुंबई, मै. एन एस पी इलैक्ट्रानिक्स लि. बंगलौर, मल्टीलाईन इलैक्ट्रानिक्स प्रा. लि. पुणे, गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स क. लि. गुजरात, डैक्कन सर्किट्स प्रा. लि. पुणे, मल्टीलाईन सर्किट्स, मुंबई, मै. यू वी सर्किट्स प्रा. लि. बंगलौर, मै. शिल्ट्रॉन इलैक्ट्रानिक्स एंड इंजीनियरिंग प्रा. लि., बंगलौर, लिनाक्स माइक्रो इलैक्ट्रानिक्स लि., लखनऊ, मै. सर्किट सिस्टम्स इंडिया (प्रा.) लि., मै. जी एन वी एफ सी लि., आई टी आई लि., बंगलौर, कॉस्मिक इंजिनियरिंग इंटरप्राइज, मै. एपीटोम कंपोनेंट्स लि., अहमदनगर, मै. एच आई आर ई एल कंपोनेंट्स (इंडिया) लि., मै. एसेंट सर्किट्स प्रा. लि. तमिलनाडु, शोगिनी टेक्नोक्राफ्ट्स प्रा. लि., मै. गर्ग इलैक्ट्रानिक्स हरियाणा, एमको इलैक्ट्रानिक्स लि. मुंबई के विचार ।

- (i) आई पी सी ए ने विचाराधीन उत्पाद के श्रेणीकरण को तीन व्यापक श्रेणियों में लिया है जो भिन्न-भिन्न मोटाई और कॉपर क्लैडिंग वाले पेपर फेनोलिक्स, ग्लास फैब्रिक्स तथा कंपोज़िट कॉपर क्लैड लैमिनेट्स हैं । आई पी सी ए का अनुरोध है कि उत्पादन की वास्तविक लागत मोटाई और अन्य गुण धर्मों के अनुसार अत्याधिक भिन्न होगी । अतः याचिका में घरेलू उद्योग का यह दावा कि अलग-अलग मोटाई तथा अन्य गुण धर्मों वाले एक प्रकार के लैमिनेट्स एक ही हैं और वे समान उत्पाद हैं और इसलिए वे तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं, तथ्यतः गलत और त्रुटिपूर्ण है उन्होंने प्राधिकारी का ध्यान पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध के नियम 6(1) की ओर आकृष्ट किया है जिसमें उस अंतर के लिए उचित छूट की

अपेक्षा की गई है जो कीमत तुलनीयता पर प्रभाव डालता है । उन्होंने आगे यह उल्लेख किया है कि जिन विशिष्ट मोटाई और अन्य गुण-धर्मों वाले लैमिनेट्स का विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जा सकता है, उन्हें वर्तमान जांच के क्षेत्र से अलग रखा जाना चाहिए ।

- (ii) याचिकाकर्ता द्वारा यह दावा किया गया है कि वह भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है और हमें इस संबंध में कोई विशिष्ट टिप्पणी नहीं करनी है । तथापि, जहां तक भारत में, संबद्ध वस्तु के अन्य विनिर्माताओं का संबंध है, मै. संदूर लैमिनेट्स केवल एक निर्यातोन्मुख प्रचालनकर्ता है और यह दावा करना तथ्यतः गलत होगा कि उनका प्रचालन पाटन के कारण बंद हुआ है । इसी प्रकार मै. बैकलाइट ने अपना प्रचालन 1999 से बंद कर दिया है क्योंकि वह पाटन के कारण स्पष्टतः प्रभावित नहीं होता है ।

- (iii) अनुरोध है कि संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर निकाला गया है । तथापि, चूंकि समस्त संबद्ध देशों में आर्थिक मापदंड अलग-अलग हैं इसलिए प्राधिकारी द्वारा इन कारकों पर अलग से विचार किया जाना चाहिए । इसके अलावा परिकलित लागत कच्ची सामग्री की उन कीमतों के आधार पर निकाला गया है जिन पर याचिकाकर्ता कंपनी ने उक्त कच्ची सामग्री की खरीद की है जिसे उन कीमतों के एक बेहतर संकेतक के रूप में माना गया है जिनपर संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के उत्पादक को इस प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद की जानी चाहिए । चूंकि याचिकाकर्ता ने इन कच्ची सामग्रियों की खरीद एक संबद्ध पार्टी के जरिए की है इसलिए

इनसे उन अंतर्राष्ट्रीय कीमतों का पता नहीं चल सकता है जिनके आधार पर प्राधिकारी को जांच परिणाम निकालने चाहिए ।

- (iv) जहां तक उस परिवर्तन लागत, जिसके आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा सामान्य मूल्य का दावा किया गया है, का संबंध है यह उल्लेख किया जाता है कि याचिकाकर्ता कंपनी को बी आई एफ आर द्वारा रूग्ण उद्योग के रूप में घोषित किया गया था और वह पिछले कई वर्षों से घाटा उठा रही है । इन परिस्थितियों में परिवर्तन लागत स्वीकार करने के लिए घरेलू उद्योग के दावों के परिणामस्वरूप कंपनी की प्रचालन संबंधी सक्षमता से प्रभावित सामान्य मूल्य निकलेगा । निर्यात कीमत का विश्लेषण विभिन्न लैमिनेट्स की मोटाई के आधार पर किया जाना चाहिए ताकि समान आधार पर बिक्री कीमत और आयतों की वास्तविक तुलना की जा सके । हमने याचिकाकर्ता कंपनी के वित्तीय प्रचालनों की गहन जांच करने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध किया है ताकि उनकी सहायक कंपनी अपोलो इंटरनैशनल लि. के जरिए उनके द्वारा की गई खरीद के कारण याचिकाकर्ता कंपनी को हुए घाटे का उचित मूल्यांकन किया जा सके । उन्होंने आगे प्राधिकारी से कच्ची सामग्री के आयात की उचित और वास्तविक कीमत, जो याचिकाकर्ता कंपनी द्वारा प्रस्तुत किए गए दावों पर आधारित न हो, को स्वीकार करने का अनुरोध किया है । उन्होंने प्राधिकारी से इस तत्व के संबंध में घरेलू उद्योग को हुई क्षति के दावे की जांच करने का अनुरोध किया है कि याचिकाकर्ता पिछले कुछ समय से लगातार घाटा उठा रहा है और उनका नकदी प्रवाह लगातार ऋणात्मक बना हुआ है । इसके अलावा कंपनी को पुनर्स्थापन हेतु बी आई एफ आर के पास पंजीकृत कराया गया है और पिछले कई वर्षों में याचिकाकर्ता कंपनी को जो घाटा हुआ है उसका कारण आरोपित पाटित आयात नहीं

माना जा सकता है । उन्होंने प्राधिकारी से आगे यह अनुरोध किया है कि वह कारणात्मक संबंध के मुद्दे की जांच करे और यह जांच गुणवत्ता एवं प्रौद्योगिकीय बाधाओं के कारण प्रयोक्ता उद्योग की जरूरत को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग की अक्षमता के संबंध में भी की जाए ।

(v) आयातकों ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग नियम 5(1) तथा 5(2) की अपेक्षाओं को पूरा करने में असफल रहा है और उसने नियमावली में यथाअपेक्षित ढंग से साक्ष्यों की पर्याप्तता, पूर्णता तथा सटीकता की जांच किए बिना निर्दिष्ट प्राधिकारी को जांच शुरू करने के लिए गलत ढंग से प्रेरित किया है । गौण स्रोत अर्थात् आई बी आई एस से प्राप्त तथा दी गई आयात संबंधी सूचना की जांच की जानी चाहिए । अनुबंध 1-2 में दी गई जानकारी के अनुसार कम से कम दो देश निर्धारित न्यूनतम सीमा से निचले स्तर पर हैं ।

(vi) बहु-परतीय पी सी बी के विनिर्माण के लिए .075 मि.मी. से .80 मि.मी. के बीच की मोटाई वाले लैमिनेट्स का प्रयोग करना अनिवार्य होता है । इन पी सी बी जिनके इन पतले कोर्स या ऐसे लैमिनेट्स का प्रयोग किया जाता है, की अंतिम मोटाई ग्राहक की अंतिम आवश्यकता के आधार पर .6 मि.मी. से 3.2 मि.मी. के बीच होती है । उनका कहना है कि घरेलू उद्योग ऐसे लैमिनेट्स का उत्पादन नहीं करता है और इसलिए इसे जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए । उन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष अपने तर्क प्रस्तुत करने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत गलत तथा अविश्वसनीय आयात आंकड़ों की ओर इंगित किया है । वे आगे कहते हैं कि आई बी आई एस द्वारा प्रदत्त आंकड़ों में कई अन्य उत्पाद शामिल हैं जो विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर हैं । इसके अलावा, उन्होंने

प्राधिकारी से मात्रा संबंधी प्रभाव के मूल्यांकन के प्रयोजनार्थ अग्रिम लाइसेंसेसों के अंतर्गत किए गए आयातों को शामिल न करने का आग्रह किया है। उन्होंने याचिका के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई कथित क्षति के विभिन्न मापदंडों के बारे में जानकारी दी है और यह कहा है कि क्षति के संबंध में याचिकाकर्ता ने केवल खोखले और असंगत वक्तव्य दिए हैं जबकि विश्लेषण के अनुसार, याचिकाकर्ता को कोई क्षति नहीं हुई है।

- (vii) आरंभ में, कॉपर क्लैड लैमिनेट्स के 3 भारतीय आपूर्तिकर्ता थे। एक-एक करके उन्होंने अंततः उत्पादन बंद कर दिया अब केवल एक आपूर्तिकर्ता बचा है, जो गुजरात में स्थित है; साम्प्रदायिक दंगों तथा उपद्रवों के चलते अशांत है। हमें आशंका है कि यदि वह भी उत्पादन बंद कर देता है तो लैमिनेट्स का कोई भी आपूर्तिकर्ता नहीं हो। इस प्रकार, हम विदेशों से खरीद के लिए बाध्य हैं।
- (viii) जी पी ई एल द्वारा आपूर्ति किए गए लैमिनेट्स में सिलवटें, लैमिनेट्स में बाहरी कणों का होना, राल की कमी आदि की गुणवत्ता संबंधी समस्याएं हैं। इनकी कीमतें आयातित लैमिनेट्स की पहुंच लागत से 15-20% अधिक हैं। इन कारणों अर्थात् आपूर्ति करने के लिए एक मात्र पार्टी गुणवत्ता संबंधी समस्याओं कीमत एवं संयंत्र स्थल की विक्षुब्ध अवस्थिति की वजह से हमने 5 वर्ष से अधिक समय से धैर्यपूर्वक भारतीय लैमिनेट्स खरीदने के पश्चात् जनवरी 2003 से विदेशों से लैमिनेट्स खरीदना आरंभ किया है।



(ix) कॉपर क्लेड लैमिनेट प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (जिसे आमतौर पर मदर बोर्ड कहा जाता है) के उत्पादन की मूल कच्ची सामग्री होती है। पी सी बी किसी भी इलेक्ट्रानिक उपकरण का प्रमुख बिल्डिंग ब्लॉक होता है और इस प्रकार से ये हार्डवेयर उद्योग का मेरुदंड है। दूरसंचार, कंप्यूटर, उत्पादन, औद्योगिक आटोमेशन, रक्षा एवं अंतरिक्ष उद्योग, चिकित्सा इलेक्ट्रानिक यहां तक कि आधुनिक उर्जा मीटर भी इसी उत्पाद पर निर्भर करता है। इस समय भारतीय पी सी बी उद्योग के लिए कॉपर क्लेड लैमिनेट्स की आवश्यकता लगभग 2.5 मिलियन वर्ग फुट प्रतिवर्ष है। इसमें कोर तथा कॉपर फोइल मोटाई के विभिन्न संयोजन शामिल हैं। जी पी ई एल की स्थापित क्षमता केवल लगभग आधा मिलियन वर्ग फुट प्रतिवर्ष है (42000 फुट प्रतिमाह से कम) की है। तथापि, जी पी ई एल की प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कभी अपनी स्थापित क्षमता का 20 प्रतिशत का भी उपयोग नहीं किया है। अतः जी पी ई एल पूर्ण क्षमता उपयोग के स्तर पर पहुंचने पर भी किसी भी तरह से भारतीय पी सी बी उद्योग की मांग को पूरा नहीं कर सकता है। इसलिए पूर्ति मांग की समस्या के समाधान के बिना पाटन रोधी शुल्क लगाने का प्रश्न नहीं उठता है।

(x) कॉपर क्लेड लैमिनेट्स का प्रयोग 600 करोड़ रूपए के वार्षिक कारोबार वाले पी सी बी उद्योग द्वारा किया जाता है तथा विभिन्न उद्योगों जैसे दूरसंचार, औद्योगिक कंप्यूटर, कंप्यूटर, रक्षा एवं अंतरिक्ष इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर द्वारा पी सी बी का प्रयोग किया जाता है। भारतीय पी सी बी उद्योग को कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना करना है तथा अंतर्राष्ट्रीय एवं भारतीय बाजार की स्थितियों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए इसे अपने उत्पादन में अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने की आवश्यकता है। हमारे

अनुमानों के आधार पर पी सी बी उद्योग के लिए कॉपर क्लैड लैमिनेट्स की वार्षिक मांग 24,00,000 लाख वर्ग मीटर (अर्थात् सभी ग्रेडों को मिलाकर 2 लाख वर्ग मीटर प्रति माह) है । जी पी ई एल को कुल स्थापित क्षमता लगभग 4,86,000 वर्ग मीटर प्रति वर्ष है (40,500 वर्ग मीटर प्रति माह) है ।

- (xi) औद्योगिक मानकों के अनुसार लैमिनेट्स विनिर्माताओं को उनकी पी सी बी आवश्यकताओं के लिए इलेक्ट्रानिक सामान के विनिर्माताओं द्वारा अनुमोदित किया जाता है । उपभोक्ता यह निर्दिष्ट करते हैं कि उनके पी सी बी के विनिर्माण के लिए किस किस्म के लैमिनेट्स का प्रयोग किया जाना है । लैमिनेट्स विनिर्माता द्वारा यह निर्धारण प्राथमिक रूप से प्रौद्योगिकी विशिष्ट लैमिनेट विनिर्माता की स्थापित क्षमता तथा अन्य कारकों के आधार पर किया जाता है । इसलिए पी सी बी उद्योग कंपनी द्वारा विनिर्मित ऐसे लैमिनेट्स का प्रयोग नहीं कर सकता है, जिसे ग्राहकों द्वारा गुणवत्ता, मात्रा, आपूर्ति समय तालिका को पूरा करने की क्षमता के संबंध में उनके द्वारा निर्धारित मानकों के कारण अनुमोदित नहीं किया जा सकता है ।

- (xii) मै. गुजरात पर्सट्रोप उच्च सी टी आई, जटिल इलेक्ट्रानिक उपकरणों रक्षा एवं अंतरिक्ष अनुप्रयोगों आदि के लिए आवश्यक विशेषताओं वाले उच्च टी जी तथा अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ताओं द्वारा अपने प्रिंटेड सर्किट बोर्ड के लिए मांग किए जाने वाली गुणवत्ता के संवेदनशील लैमिनेट्स का विनिर्माण नहीं करते हैं । इनका विनिर्माण विशेषरूप से अंतर्राष्ट्रीय विनिर्माताओं द्वारा किया जाता है और मै. गुजरात पर्सट्रोप ऐसा नहीं कर सकते हैं ।

(xiii) सिंगल साइडेड पी सी बी के आयातक पेपर फेनोलिक लैमिनेट का प्रयोग करते हैं, जो मुख्यतः एफ आर 1 ग्रेड का होता है । कॉपर क्लैड लैमिनेट के इस ग्रेड का प्रयोग आम तौर पर इलैक्ट्रानिक क्षेत्र जैसे टीवी, आडियो आदि की पी सी बी आवश्यकताओं के लिए किया जाता है । पी सी बी विनिर्माताओं के पास उन्हें आपूर्ति किए जाने वाले पी सी बी के लिए प्रयुक्त होने वाले कॉपर क्लैड लैमिनेट्स के संबंध में निर्णय लेने का कोई अधिकार नहीं है । हम शत्-प्रतिशत् विश्वास से यह कह सकते हैं कि उपरोक्त एम एन सी तथा एम एन सी आधार वाली भारतीय कंपनियों में से अधिकतर कंपनियों ने अपनी पी सी बी अपेक्षाओं के लिए गुजरात पर्सट्रोप को एक लैमिनेट आपूर्तिकर्ता के रूप में मान्यता नहीं दी है ।

(xiv) मै. पी टी सी ग्लोबल, कोलकाता ने अपनी प्रधान कंपनी मै. हल्दिया कॉपर क्लैड लैमिनेट कंपनी, चीन तथा अन्य आयातकों की ओर से पाटनरोधी शुल्क लागू करने के विरुद्ध अपना विरोध दर्ज किया है जो उनके अनुसार भारत में पी सी बी उद्योग के हित में नहीं है ।

(xv) कुछ आयातकों ने यह तर्क दिया है कि वे चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तु को खरीद रहे हैं क्योंकि उक्त सामग्री के लिए वैकल्पिक स्रोतों का होना सदैव लाभकारी होता है । केवल एक आपूर्तिकर्ता का होना बुद्धिमत्तापूर्ण नहीं होगा क्योंकि यदि संबद्ध वस्तु का निर्यातक बाजार से अलग हट जाता है तो याचिकाकर्ता का एकाधिकार हो जाएगा क्योंकि अन्य कोई भारतीय विनिर्माता नहीं होगा ।

(xvi) आयातकों ने प्रसंस्करण के समय लैमिनेट्स में विभिन्न समस्याएं देखी हैं और ये समस्याएं लैमिनेट्स में मोटाई परिवर्तन, ब्लिस्टरिंग कॉपर पील

ऑफ, ट्विस्ट, सतह पर निशान, गलत ढंग से तैयार सतह तथा इसी तरह की अन्य समस्याएं हैं । उन्होंने यह भी बताया है कि उन्हें अपने उपभोक्ताओं से पी सी बी के लिए याचिकाकर्ता के लैमिनेट्स का प्रयोग न करने के निर्देश मिले हैं । बहुत से बैचों को अस्वीकार किया गया है और हम उनके द्वारा की गई आपूर्ति की गुणवत्ता से संतुष्ट नहीं हैं । उन्होंने गुणवत्ता और आपूर्ति में असंगतता का उल्लेख किया है तथा सही समय पर सामग्री की आपूर्ति करने में याचिकाकर्ता की असमर्थता को याचिकाकर्ता से माल न खरीदने का प्रमुख कारण बताया है ।

घ) निर्यातकों के विचार

5. व्यापार एवं उद्योग विभाग, हांग कांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार

- (i) व्यापार एवं उद्योग विभाग एस ए आर, को हांग कांग के विरुद्ध एक और पाटनरोधी जांच आरंभ करने के प्राधिकारी के निर्णय पर आश्चर्य है । उनका कहना है कि याचिकाकर्ता ने अंतर्राष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त एच एस टैरिफ वर्गीकरण को नहीं अपनाया है और अपने दावे को न्यायोचित ठहराने के लिए आई बी आई एस के अज्ञात स्रोत से आंकड़े प्राप्त किए हैं । सबसे अधिक खराब बात यह है कि याचिकाकर्ता ने वर्ष 1997 से बीमार कंपनी के रूप में अपनी स्थिति का उल्लेख नहीं किया जो वर्तमान में सरकार की बाध्यकारी पुनरुद्धार स्कीम के अंतर्गत आई हुई है । उन्होंने यह अनुरोध किया है कि उत्पादों एवं उनके प्रयोगों को देखते हुए एच एस शीर्ष 7410 या संक्षेप में उपशीर्ष 7410.21 में जांचाधीन उत्पाद का पर्याप्त रूप से उल्लेख है तथा जांच के दायरे को अध्याय 74 में दिए गए सभी उत्पादों तक नहीं बढ़ाना चाहिए । उन्हें भारत में घरेलू उत्पादों तथा

संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातों के बीच प्रतिस्थापनीयता के बारे में कोई संदेह नहीं है । तथापि, इन सात देशों के बीच उत्पादन की मात्रा निश्चित रूप से अलग-अलग है ।

- (ii) उन्होंने प्राधिकारी से सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए परिकलित लागत पद्धति को मान्यता न देने का अनुरोध किया है । इसके अलावा उन्होंने हांग-कांग के कॉपर क्लैड लैमिनेट्स निर्यातों के लिए सामान्य मूल्य का वास्तविक लेखा प्रस्तुत किया है । निर्यात कीमत के संबंध में, उन्होंने प्राधिकारी से पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों को अपनाने का अनुरोध किया है और इस प्रकार उन्होंने बताया है कि कॉपर क्लैड लैमिनेट्सकी सभी किस्मों के लिए कोई पाटन मार्जिन नहीं था ।
- (iii) अनुबंध 1.1 के उद्धरणों के अनुसार, हांगकांग के आयात डब्ल्यू टी ओ करारों के अनुच्छेद 5.8 के अंतर्गत निर्दिष्ट न्यूनतम सीमा से कम हैं । मात्रा संबंधी क्षति के संबंध में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयातों की तुलना में अन्य देशों से हुए आयातों में अत्याधिक वृद्धि हुई है तथा पिछले वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में कोई वृद्धि नहीं हुई है । घरेलू उद्योग का उत्पादन तथा पूंजी उपयोग 2000-01 की आधार अवधि के आसपास रहा है और पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा आयातित उत्पाद के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है तथा उनको अन्य कारकों से क्षति हुई है न कि आयातित सामान से ।

6. मै. दूसान कॉरपोरेशन, कोरिया आर पी

मै. दूसान कॉरपोरेशन ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है और प्रश्नावली में सूचीबद्ध विभिन्न परिशिष्टों से संबंधित सूचना दी है । घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका के संबंध में उन्होंने कोई टिप्पणियां नहीं की हैं ।

7. मै. इसोला एशिया पैसिफिक (सिंगापुर) इंक, सिंगापुर, मै. इसोला लैमिनेट्स सिस्टम्स कंपनी, चीन जनवादी गणराज्य, मै. इसोला एशिया पैसिफिक (हांगकांग) लि., हांगकांग, मै. इसोला एशिया पैसिफिक (ताइवान) इंक, ताइवान

इन निर्यातकों ने यह पुष्टि की है कि जांच अवधि के दौरान उन्होंने संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है ।

8. विदेश व्यापार विभाग, थाईलैंड

उन्होंने टिप्पणी की है कि पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के समझने में दिए गए साक्ष्य अपर्याप्त हैं । उन्होने स्पष्ट किया है कि जांच अवधि के दौरान थाईलैंड ने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया । उन्होंने प्राधिकारी से आवेदन में प्रस्तुत साक्ष्य की सत्यता तथा पर्याप्तता की जांच करने का अनुरोध किया है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या जांच की शुरुआत को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं ।

9. मै. इसोला पैसिफिक (फिलीपींस) इंक, फिलीपींस

निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली में सूचीबद्ध विभिन्न परिशिष्टों का उत्तर दिया है, जिन पर संगत खंडों में उचित ढंग से ध्यान दिया गया है। उन्होंने विचाराधीन उत्पाद, भारतीय उद्योग, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं घरेलू उद्योग की क्षति के संबंध में तर्क प्रस्तुत किए हैं जो मै. आई पी सी ए, बंगलौर द्वारा प्रस्तुत तर्कों के समान हैं। आगे उनका कहना है कि एफ आर 4 डी एस व्यापक श्रेणी के भीतर निर्यात बाजार श्रृंखला में इन लैमिनेट्स की कीमत श्रृंखला \*\*\* यू एस डॉलर से \*\*\* यू एस डॉलर तक की है। घरेलू उद्योग के यह दावे कि प्रति 100 वर्ग मी. (सूची कीमत) कीमत वाली संबद्ध वस्तु प्रति 368 वर्ग मी. (सूची कीमत) की कीमत श्रृंखला वाले अन्य कॉपर लैमिनेट्स से वाणिज्यिक तथा तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय हैं, वस्तुतः गलत है। यह इस आशंका को सही ठहराता है कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु के अपूर्ण वर्णन के आधार पर पाटन तथा क्षति का आरोप लगाया है और तदनुसार प्राधिकारी की पाटनरोधी शुल्क की लेवी के लिए घरेलू उद्योग के अभ्यावेदन के आधार पर पाटन का वास्तविक मूल्यांकन करने के लिए कॉपर लैमिनेट्स के विभिन्न ग्रेडों तथा किस्मों तथा इसके अंतिम प्रयोक्ताओं के संबंध में पूर्ण एवं समग्र ब्यौरों की मांग करनी चाहिए।

10. मै. नान या प्लास्टिक कॉर्पोरेशन, ताइवान

इन्होंने निर्यातक प्रश्नावली में उल्लिखित कुछ परिशिष्टों का उत्तर दिया है, जिनपर संबंधित खंडों में विचार किया गया है।

11. मै. किंग बोर्ड लैमिनेट्स लिमिटेड, हांगकांग

इन्होंने निर्यातक प्रश्नावली में उल्लिखित कुछ परिशिष्टों का उत्तर दिया है, जिनपर संबंधित खंडों में विचार किया गया है।

12. मै. हुआलिडा कॉपर क्लैड लैमिनेट कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य

निर्यातक ने पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के विरुद्ध नाराज़गी जाहिर की है ।  
उनका कहना है कि वे अपने एजेंट मै. पी टी सी ग्लोबल प्रा. लि. के जरिए भारत में  
लैमिनेट्स का निर्यात एवं विपणन कर रहे हैं ।

13. मै. बैंकाक इंडस्ट्रीयल कंपनी लि., थाईलैंड

उन्होंने बताया है कि उनका उत्पाद कॉपर फॉएल है न कि कॉपर क्लैड  
लैमिनेट्स । उन्होंने यह भी बताया कि वे भारत को किसी भी वस्तु की बिक्री नहीं करते हैं  
तथा वे संबद्ध वस्तु के निर्यातक/उत्पादक नहीं हैं ।

14. मै. नाम हिंग इंडस्ट्रीयल लैमिनेट लि., हांगकांग

निर्यातक ने अपने अनुरोध में कोई तर्क नहीं दिया है । उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली  
का उत्तर दिया है ।

इ. प्राधिकारी द्वारा जांच एवं जांच परिणाम

15. घरेलू उद्योग, निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की  
जांच की गई है और जांच परिणामों पर पहुंचते समय इन पर विचार किया गया है  
और जहां कहीं भी उपयुक्त समझा गया, इन पर आगे विचार किया गया है ।



### विचाराधीन उत्पाद

16. विचाराधीन उत्पाद वर्तमान याचिका में जांच आरंभ संबंधी अधिसूचना में यथा उल्लिखित कॉपर क्लैड लैमिनेट्स (सी सी एल) है, जो कागज़ या ग्लास फ़ैब्रिक या एक किस्म के संश्लिष्ट लैमिनेट्स हैं, जिनका प्रिंटेड सर्किट बोर्ड के निर्माण में प्रयोग होता है और जिनकी विशिष्ट अंतिम आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्रयुक्त प्रीप्रेस की संख्या तथा कॉपर फॉएल की मोटाई एवं प्रीप्रेस पर इसकी कोटिंग (अथवा दोनों तरफ या एक तरफ) के आधार पर भिन्न-भिन्न प्रकार के कॉपर क्लैड लैमिनेट्स बनाए जा सकते हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि लैमिनेट्स की भिन्न-भिन्न उप किस्मों में संबद्ध लागत एवं कीमत की दृष्टि से काफी अंतर है ।
17. लैमिनेट्स की विनिर्माण प्रक्रिया में ग्लास फ़ैब्रिक या पेपर फ़ाईबर का उपयुक्त रेजिन के साथ संघेदन, रेजिन को सुखाना तथा प्रीप्रेस को कटोर बनाना, प्रीप्रेस तथा कॉपर फॉएल के प्रयोग से लेमिनेट तैयार करना, प्रीप्रेस को हाइड्रोलिक प्रेस में प्रेस करना तथा कटाई एवं कांट छांट के द्वारा सही आकार देना शामिल है । प्रयुक्त मूल सुदृढीकरण (पेपर या ग्लास), प्रयुक्त बाइंडर की किस्म तथा की गई कॉपर क्लेडिंग के आधार पर इस उत्पाद को पेपर फ़ेनोलिक कॉपर क्लैड लैमिनेट्स, ग्लास एपोकसी कॉपर क्लैड लैमिनेट्स तथा कम्पोजिट कॉपर क्लैड लैमिनेट्स के नाम से वर्गीकृत किया गया है । संबद्ध वस्तु के कुछ आयातकों ने इंगित किया है कि याचिकाकर्ता 2116 तथा 1080 किस्म के तीन प्रीप्रेस का विनिर्माण नहीं करता है जो 0.7 मि.मी. से कम मोटाई वाले कॉपर क्लेड लैमिनेट्स के विनिर्माण में आवश्यक होते हैं । यह भी दावा किया गया है कि कई परतों वाले लैमिनेट्स के विनिर्माण के लिए .075 मिमी. से .080 मिमी. के बीच की मोटाई वाले लैमिनेट्स का प्रयोग करना अनिवार्य होता है । उन्होंने यह भी कहा है कि विस्तारीकरण संबंधी समस्याओं जिनके परिणामस्वरूप कमजोर हिस्सों,

अन्य कमियों के कारण, अस्वीकृति तथा पंजीकरण न होने के कारण उसी विनिर्माता के प्रीप्रेस तथा आंतरिक कोर का प्रयोग करना अनिवार्य होता है । आयातकों की इस शिकायत के उत्तर में याचिकाकर्ता ने इस बात की पुष्टि की है कि 0.8 मिमी. से कम मोटाई वाले लैमिनेट्स के संबंध में भिन्न-भिन्न आपूर्तिकर्ताओं के लैमिनेट्स तथा प्रीप्रेस का मिश्रण प्रयोग करना उचित नहीं होता है । अतः घरेलू उद्योग के दावों, अन्य हितबद्ध पक्षों के उत्तरों तथा रिकार्ड में उपलब्ध सामग्री को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी कॉपर क्लैड लैमिनेट्स तक विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को 0.8 मिमी. से 3.2 मिमी. तक सीमित करते हैं । प्रारंभिक निर्धारण के लिए प्राधिकारी यह भी पाते हैं कि नेमा (नेशनल इलैक्ट्रानिक्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन) द्वारा निर्धारित मानकों का ज्यादातर उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं द्वारा उसी रूप में प्रयोग किया जाता है तथा ये उत्पाद के तकनीकी रूप में प्रयोग किया जाता है तथा यह उत्पाद के तकनीकी मापदंडों का भली भांति वर्णन करता है । अतः प्राधिकारी पुष्टि करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद 0.8 मिमी. से 3.2 मिमी. (0.8 मिमी. तथा 3.2 मिमी. सहित) मोटाई वाले कॉपर क्लैड लैमिनेट्स है और जो पेपर पर आधारित (नेमा ग्रेड एफ आर 1 और 2 तथा एक्स पी सी), ग्लास आधारित (नेमा ग्रेड एफ आर 1 और 2 तथा एक्स पी सी), ग्लास आधारित (नेमा ग्रेड एफ आर 4 एक ओर या दोनों ओर) या कम्पोजिट (नेमा ग्रेड सी ई एम 1) फेनेलिक हो सकते हैं (जिन्हे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) । 0.8 मिमी. से कम या 3.2 मिमी. से अधिक मोटाई तथा ऊपर उल्लिखित नेमा ग्रेडों के अलावा अन्य ग्रेड जांच के दायरे में नहीं आते हैं ।

18. कॉपर क्लैड लैमिनेट्स का उत्पादन, बिक्री तथा मापन वर्गमीटर, संख्या, किलोग्राम, शीटों तथा नगों के अनुसार होता है । यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के 7410.21 सीमाशुल्क वर्गीकरण के अंतर्गत आता है । इस उत्पाद पर वर्तमान जांच अवधि में 5% मूल सीमाशुल्क है ।

समान वस्तु

19. याचिकाकर्ता का दावा है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु में कोई मुख्य अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता ने आगे दावा किया है कि उत्पादन में अपनाई गई प्रौद्योगिकी भी समान है, यद्यपि प्रचालन की मात्रा में अंतर हो सकता है। याचिकाकर्ता द्वारा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के उनकी विशेषताओं जैसे भौतिक/यांत्रिक तथा विद्युतीय विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी, कार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु की कीमत एवं टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय होने का दावा किया गया है। ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। याचिकाकर्ता ने आगे दावा किया है कि उपभोक्ताओं ने इन्हें एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया है। पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं के 'संबद्ध देशों' से आयातित वस्तु के समान वस्तु होने का दावा किया गया है।

20. आयातकों, उपभोक्ताओं तथा निर्यातकों का दावा है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों से आयातित वस्तु से तुलनीय नहीं है। उन्होंने याचिकाकर्ता द्वारा बेचे गए उत्पाद में बहुत सी भौतिक एवं रासायनिक खामियां बताई हैं और आगे यह भी बताया है कि उनके उत्पाद प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय जांच एजेंसियों तथा प्रयोक्त उद्योग की प्रमुख कंपनियों जो अधिकतर अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हैं द्वारा प्रमाणित नहीं हैं। उन्होंने दोहराया है कि ये प्रयोक्ता उद्योग स्वयं अपने मानकों तथा उन स्रोतों, जहां से संबद्ध वस्तुएं मंगवाई जाती हैं, को निर्दिष्ट करते हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुएं प्रमुख हार्डवेयर विनिर्माताओं द्वारा स्थापित मानकों पर खरी नहीं उतरती हैं और इस प्रकार वे घरेलू उद्योग से यह

सामग्री नहीं ले सकते हैं । इस तरह के तर्क भी दिए गए हैं कि कॉपर क्लैड लैमिनेट्स की मोटाई भिन्न-भिन्न होती है और मूल सामग्री कॉपर फॉएल की मोटाई तथा इसमें प्रयुक्त प्रीप्रेस किस्मों की लागतों में अंतर होता है और इसलिए इन्हें समान वस्तु नहीं माना जा सकता है तथा घरेलू रूप से विनिर्मित वस्तु के साथ किसी भी तरह से तुलना में इन कारकों को ध्यान में रखना आवश्यक है ।

21. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की है तथा घरेलू उद्योग के निवेदनों की भी जांच की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 2(घ) में समान वस्तु की निम्नानुसार परिभाषा की गई: -

"समान वस्तु" का अभिप्राय किसी ऐसी वस्तु से है जो भारत में पाटन किए जाने के लिए जांच की जा रही वस्तु के साथ प्रत्येक दृष्टि से समान या समरूप हो या ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में किसी ऐसी अन्य वस्तु से है जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो परन्तु उसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं के अत्याधिक समानरूप हों ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित तथा आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तुओं की तकनीकी विशिष्टताएं संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं के साथ तुलनीय हैं तथा ये दोनों बनावट, रासायनिक गुणों तथा प्रयोग में एक दूसरे के स्थान पर प्रतिस्थापनीय हैं । ये वस्तुएं विभिन्न मापदंडों के अनुसार अत्याधिक समानरूप हैं । इसके अलावा, घरेलू तथा आयातित उत्पाद के बीच कोई परिमाणनयोग्य अंतर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा नहीं बताया गया है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की निम्न गुणवत्ता के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के दावे के संबंध में प्राधिकारी को मालूम होता है कि इन दो उत्पादों के उपयोग में पाई जाने वाले अंतरों को किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा मात्रात्मक

रूप से स्पष्ट नहीं किया गया है । उत्पादक द्वारा उत्पादित तथा आयातक द्वारा प्रयुक्त वस्तुएं मात्र एन ई एम ए विशिष्टताओं वाली संबद्ध वस्तुएं हैं । इसके अलावा, गुणवत्ता के मामलों के संबंध में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के साथ इस पहलु की जांच की है और यह निर्धारित किया है कि उनकी कुल बिक्रियों के अनुपात के रूप में कुल गुणवत्ता के दावों में xxxxxx% से xxxxxx% की गिरावट आई है तथा उनके द्वारा की गई बिक्रियों के कुल मूल्य का 0.7% से कम शामिल है । विश्व बाज़ार तथा अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति में संबद्ध वस्तुओं की स्वीकृति के संकेत के रूप में उन्होंने निम्नलिखित प्रमाण भी प्रस्तुत किया है: -

(क) रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के इलैक्ट्रॉनिक कम्पोनेन्ट्स स्टैंडर्डाइजेशन आर्गेनाइजेशन (एल सी एस)

(ख) आई एस ओ 9001- 2000 - अमरीकी गुणवत्ता मूल्यांकक (ए क्यू ए) से गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली

(ग) अंडर राइटर्स प्रयोगशालाएं (यू एल) यू एस ए

समान वस्तु के निर्धारण के लिए प्राधिकारी को यह देखने की आवश्यकता है कि क्या विभिन्न किस्में मापदंडों अर्थात् उत्पाद विशिष्टता, बनावट तथा तकनीकी विशेषताएं विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी, संयंत्र तथा उपकरण, कार्य एवं उपयोग, उनकी प्रतिस्थापनीयता, टैरिफ वर्गीकरण तथा ग्राहक अनुभूति के अनुसार तुलनीय है । प्राधिकारी सहमत है कि विभिन्न प्रकार के लैमिनेट संयोजित लागतों तथा कीमतों के अनुसार उल्लेखनीय रूप से भिन्न हैं । ये भिन्नताएं भिन्न-भिन्न कच्ची सामग्री तथा परतों जिनके अलग-अलग लैमिनेट होते हैं, के उपयोग के परिणामस्वरूप होती हैं । तथापि, अलग-अलग मोटाई तथा किस्मों वाले टैरिफ

वर्गीकरण, कार्य-कलाप सहित विभिन्न प्रकार के लैमिनेटों के लिए संयंत्र तथा उपकरण विनिर्माण प्रक्रिया भी समान हैं ।

विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों तथा रिकार्ड में उपलब्ध सामग्री को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी को अनंतिम रूप से मालूम होता है कि संबद्ध वस्तुएं (सी सी एल) ग्लास एपोकसी से संबंधित (एफ आर 4 डी/एस), घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विभिन्न मोटाई (0.8 एम एम और 3.2 एम एम के बीच) से संबंधित पेपर फेनोलिक्स (एफ आर 1 एवं 2) तथा एक्स पी सी तथा कम्पोजिट (सी ई एम - 1) संबद्ध देशों से आयातित तथा संबद्ध देशों में बेची गई वस्तुओं के समान वस्तु है ।

च. घरेलू उद्योग

22. याचिकाकर्ता ने अभ्यावेदन प्रस्तुत किया था कि जांच अवधि के दौरान वे संबद्ध वस्तुओं के एक मात्र उत्पादक थे तथा अन्य उत्पादकों ने अन्य देशों से पाटन के कारण अपना उत्पादन बंद कर दिया था । उन्होंने यह भी दावा किया है कि संबद्ध वस्तुओं के अन्य उत्पादक अर्थात् मै. बैकलिट हाइलम, सिकन्दराबाद तथा पी सी एस, पुणे ने उन्हें अपना समर्थन दिया है । प्राधिकारी रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर नोट करते हैं कि अन्य दो उत्पादक जिन्होंने याचिकाकर्ता के लिए अपना समर्थन दिया है (मै. पी सी एस, पुणे नवंबर 2001 से तथा मै. बैकलिट हाइलम, अगस्त 2002 से) । इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि कथित निर्यातकों के साथ याचिकाकर्ता का संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा परिकलित होता है और इसलिए वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग हैं । तदनुसार,

याचिकाकर्ता उपरोक्त नियम के नियम 5(3) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति के मापदंड को पूरा करते हैं ।

छ. निर्धारित न्यूनतम सीमा

23. यह निश्चित करने के लिए कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयात निर्धारित न्यूनतम सीमा के स्तर से अधिक है, के संबंध में प्राधिकारी आई बी आई एस द्वारा उपलब्ध कराए गए संबद्ध देशों से सौदेवार आंकड़ों का संदर्भ लिया है ।

संबद्ध देशों से आयात स्रोत आई बी आई एस		
देश	एस क्यू एम आयात	संबद्ध देशों से आयात का प्रतिशत
चीन जनवादी गणराज्य	355556	29.38
हांगकांग	91724	7.58
ताइवान	135281	11.18
सिंगापुर	22073	1.82
थाईलैंड	21713	1.79
फिलीपींस	261616	21.62
कोरिया गणराज्य	302919	25.03

प्राधिकारी अनंतिम रूप से, यह पाते हैं कि प्रारंभिक जांच परिणाम के लिए लंबित आगी की जांच के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के नियम 14 के अर्थ के भीतर थाईलैंड तथा सिंगापुर से होने वाले आयात निर्धारित न्यूनतम सीमा में है ।

ज. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन:

24. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क(1)1 के तहत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है: -

(i) उप-धारा(6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा क्षेत्र में खपत के प्रयोजनार्थ समान वस्तु के लिए व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में यथा निर्धारित तुलनीय कीमत, अथवा: -

(ii) जब निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्रियां नहीं होती हैं अथवा जब निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में बाजार की किसी विशेष स्थिति अथवा बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्रियों की उचित तुलना नहीं की जा सकती, तो सामान्य मूल्य या तो: -

(क) उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा क्षेत्र अथवा किसी तीसरे उचित देश से निर्यातित समान वस्तु की यथानिर्धारित तुलनीय प्रतिनिधि कीमत होगी; अथवा

(ख) उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार स्रोत देश में प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागतें तथा लाभ की उचित वृद्धि सहित कथित वस्तु की यथानिर्धारित उत्पादन लागत होगी ।

परंतु मूल देश को छोड़कर किसी अन्य देश से वस्तु के आयात के मामले में तथा जहां निर्यातक देश से वस्तु को सिर्फ यानान्तरित किया गया



हो अथवा ऐसी वस्तु का निर्यातक देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो अथवा निर्यातक देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं हो तो सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल देश में उसकी कीमत को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा ।

25. चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, ताइवान, दक्षिण कोरिया एवं फिलीपींस ।

प्राधिकारी ने धारा 9 क (1) 1 के अनुसार, सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी । कुछेक निर्यातकों ने निर्यातकों को जारी किए गए पत्र तथा निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार अपेक्षित प्रपत्र में तथा तरीके से प्रश्नावली का जवाब दिया है ।

1. मै. दूसान कॉरपोरेशन, कोरिया जन. गण.

मै. दूसान कॉरपोरेशन ने निर्यातक प्रश्नावली में वर्णित विभिन्न परिशिष्टों के संबंध में सूचना देते हुए निर्यातक प्रश्नावली का जवाब दिया है । परिशिष्ट 1 के अनुसार उन्होंने अपनी घरेलू बिक्रियों का एक लेखा, बीजक संख्या, तारीख, ग्राहक का नाम, मात्रा तथा विभिन्न बट्टे और समायोजनों का ब्यौरा देते हुए प्रस्तुत किया है । परिशिष्ट 2 में, उन्होंने भारत को निर्यातों के संबंध में समान सूचना दी है । परिशिष्ट 2क में, जांच अवधि तथा जांच अवधि के दो वर्ष पहले भारत को किए गए निर्यात, घरेलू बाजार बिक्रियां तथा अन्य देशों को किए गए निर्यात के अनुसार उन्होंने कंपनी की वस्तुओं की बिक्रियों का उल्लेख किया है । तथापि, उन्होंने परिशिष्ट 2 ख के अनुसार भारत को ग्राहकवार निर्यात बिक्रियां प्रस्तुत नहीं की हैं यद्यपि उन्होंने परिशिष्ट 3 के अनुसार प्रचालन आंकड़ों का उल्लेख किया है । एफ ओ बी के पहले तथा एफ ओ बी के बाद के ब्योरे देते हुए विभिन्न ग्रेडों के लिए जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात के लिए बिक्री कीमत ढांचे

का लेखा देते हुए उन्होंने परिशिष्ट 3 क प्रस्तुत किया है । घरेलू बिक्रियों के लिए बिक्री कीमत ढांचे के संबंध में उनके द्वारा समान परिशिष्ट उपलब्ध कराए गए हैं । परिशिष्ट 4 के अनुसार, इंस्टाल/रेटेड क्षमता, उत्पादन तथा बिक्रियां दर्शाते हुए एक विवरण दिया है । परिशिष्ट 5 के अनुसार, उन्होंने कच्ची सामग्रियों तथा पैकिंग सामग्री की खपत तथा समन्वय का एक विवरण प्रस्तुत किया है । तथापि, उन्होंने परिशिष्ट 6 के अनुसार कच्ची सामग्री की खपत का विवरण प्रस्तुत नहीं किया है तथा परिशिष्ट 7 के अनुसार खर्च का आवंटन और प्रभाजन प्रस्तुत नहीं किया है । उन्होंने परिशिष्ट 8 के अनुसार उत्पादन लागत का एक विवरण प्रस्तुत किया है और इसके अलावा परिशिष्ट 8 क एवं ख के तहत कारखाना लागत तथा भारत को निर्यात का लाभ और घरेलू बिक्रियों का विवरण प्रस्तुत किया है ।

प्राधिकारी द्वारा निर्यातक के उत्तर की जांच की गई है । निर्यातक प्रश्नावली के परिशिष्ट 8 तथा 1 की जांच करने के पश्चात् यह अनंतिम रूप से निर्धारित किया जाता है कि घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के तहत की गई हैं । प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ अनंतिम रूप से भारत में बिक्रियों के लिए सामान्य मूल्य और कारखाना निकासी कीमत के रूप में घरेलू बिक्रियों के लिए कारखाना निकासी कीमत लेते हुए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निर्धारण के लिए निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों को स्वीकार करते हैं क्योंकि निर्यात कीमत और सत्यापन तथा जांच पड़ताल के अध्याधीन है हालांकि उन्होंने पूर्ववर्ती पैराग्राफ में यथाउल्लिखित निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार सामग्री अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की है । प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुरूप कारखाना निकासी स्तर पर किए जाने वाले सभी समायोजनों को पूरा करने के बाद निर्यातक को सहयोग देने के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है । इसी प्रकार, प्राधिकारी ने कारखाना निकासी स्तर पर निवल निर्यात कीमत परिकलित करते समय निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुरूप विभिन्न

समायोजनों की अनुमति प्रदान करने के पश्चात् सहयोगी निर्यातक का कारखाना निर्यात कीमत का मूल्यांकन किया है। प्राधिकारी ने निर्माण स्तरों परांत सामान्य मूल्य तथा कारखाना निकासी स्तर पर निर्यात कीमत के बीच तुलना करते हुए विभिन्न ग्रेडों (एन ई एम ए) तथा संबद्ध वस्तुओं के कॉपर फॉएल की मोटाई के लिए पाटन मार्जिन का परिकलन किया है। यह तुलना जांच अवधि के दौरान उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा विनिर्मित तथा भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के प्रत्येक किस्म/ग्रेड/मोटाई की अधिमानी औसत बिक्री कीमत पर आधारित था, जिसके लिए संबद्ध वस्तुओं का तुलनीय किस्म/ग्रेड प्राप्त किया जा सके। इस तुलना से जांच अवधि के दौरान निर्यातक द्वारा संबद्ध वस्तुओं के पाटन का पता चला। निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त अधिमानी औसत पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है।

## 2. कोरिया जन. गण. से अन्य निर्यातक

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया जन. गण. से अन्य निर्यातकों में से किसी ने भी निर्यातक प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे पर भी अन्य हितबद्ध पक्षकार/पक्षकारों द्वारा विवाद नहीं किया गया है। इन परिस्थितियों के तहत सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया जाता है। इसलिए मूल देश में अनुमानित उत्पादन लागत के संबंध में उपलब्ध सूचना तथा उचित समायोजनों के पश्चात् बिक्री, प्रशासनिक तथा सामान्य खर्च को संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य परिकलित करने के लिए आधार के रूप में लिया गया है। कमीशन, समुद्री भाड़े, इत्यादि के लिए लागू समायोजनों को पूरा करने के पश्चात् जांच अवधि के दौरान अधिमानी औसत निर्यात कीमत को गणना में लेते हुए कारखाना निकासी निर्यात कीमत परिकलित की गई है तथा

उसके पश्चात् गैर सहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन साबित किया गया है ।

3. मै. इसोला फिलिपींस, फिलिपींस

निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली के परिशिष्ट 1 के अनुसार घरेलू बिक्रियों की सौदावार सूचना प्रस्तुत की है । उन्होने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं की बिक्री के संबंध में ग्राहकवार सूचना प्रस्तुत की है । उन्होने इन बिक्रियों में विभिन्न ग्रेडों का भी उल्लेख किया है । परिशिष्ट 2 क के अनुसार, उन्होने विभिन्न ग्रेडों से संबंधित कंपनी की वस्तुओं की बिक्री प्रस्तुत की है । हालांकि, मोटाई वार सूचना अलग से संलग्न नहीं की गई है । परिशिष्ट 3 क तथा 3 ख के अनुसार, उन्होने भारत को निर्यात के लिए तथा विभिन्न ग्रेडों के लिए घरेलू बिक्रियों तथा संबद्ध वस्तुओं की मोटाई के लिए बिक्री कीमत ढांचा प्रस्तुत किया है । उन्होने वर्ष 1999-2000 तथा जांच अवधि के लिए वित्तीय विवरण प्रस्तुत किया है । उन्होने परिशिष्ट 4 के अनुसार स्थापित तथा निर्धारित क्षमता, उत्पादन तथा बिक्रियां दर्शाते हुए विवरण प्रस्तुत किया है । परिशिष्ट 5 एवं 6 के अनुसार, उन्होने कच्ची सामग्री की खपत तथा सामंजस्य का विवरण प्रस्तुत किया है । उन्होने निर्यातक प्रश्नावली के परिशिष्ट 7 के अनुसार खर्च का आवंटन तथा प्रभाजन का विवरण प्रस्तुत किया है । उन्होने परिशिष्ट 8 के अनुसार उत्पादन लागत प्रस्तुत की है और इसके अलावा कारखाना लागत तथा भारत, घरेलू बिक्रियां तथा भारत को छोड़कर अन्य देशों को निर्यातों का लाभ भी प्रदान किया है । परिशिष्ट 9 के अनुसार उन्होने सामान्य तथा प्रशासनिक उपरी खर्च की बिक्री आवंटन का विवरण प्रस्तुत किया है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि परिशिष्ट 8 ख के अनुसार निर्यातक ने कारखाना लागत तथा घरेलू बिक्रियों के लाभ के संबंध में ग्रेड वार सूचना नहीं दी है । प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ घरेलू बिक्रियों के लिए कारखाना निकासी कीमत को सामान्य मूल्य के रूप में तथा कारखाना निकासी कीमत को भारत को बिक्रियों के लिए आगे सत्यापन तथा जांच की शर्त पर निर्यात कीमत के रूप में मानते हुए सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़े को अनंतिम रूप से स्वीकार करते हैं । यद्यपि, उन्होंने पूर्ववर्ती पैराग्राफ में वर्णित निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार सभी अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की हैं । प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुरूप कारखाना निकासी स्तर पर किए जाने वाले सभी समायोजनों को पूरा करने के बाद निर्यातक को सहयोग देने के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है । इसी प्रकार, प्राधिकारी ने कारखाना निकासी स्तर पर निवल निर्यात कीमत परिकलित करते समय निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुरूप विभिन्न समायोजनों की अनुमति प्रदान करने के पश्चात् सहयोगी निर्यातक का कारखाना निकासी निर्यात कीमत का मूल्यांकन किया है । प्राधिकारी ने निर्माण स्तरों परांत सामान्य मूल्य तथा कारखाना निकासी स्तर पर निर्यात कीमत के बीच तुलना करते हुए विभिन्न ग्रेडों (एन ई एम ए) तथा संबद्ध वस्तुओं के कॉपर फॉएल की मोटाई के लिए पाटन मार्जिन का परिकलन किया है । यह तुलना जांच अवधि के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा विनिर्मित तथा भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के प्रत्येक किस्म/ग्रेड/मोटाई की अधिमानी औसत बिक्री कीमत पर आधारित था, जिसके लिए संबद्ध वस्तुओं का तुलनीय किस्म/ग्रेड प्राप्त किया जा सके इस प्रकार, अधिमानी औसत समग्र पाटन मार्जिन का निर्धारण अलग-अलग किस्मों के संबंध में पाए गए ऋणात्मक पाटन को शून्य न मानते हुए प्रत्येक किस्म के संबंध में पाए गए पाटन को परिकलित करके किया गया था । तुलना से जांच अवधि के दौरान निर्यातक द्वारा संबद्ध वस्तुओं के पाटन की जानकारी प्राप्त हुई ।

4. फिलीपीन्स से अन्य निर्यातक

प्राधिकारी नोट करते हैं कि फिलीपीन्स से अन्य निर्यातकों में से किसी ने भी निर्यातक प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे पर भी अन्य हितबद्ध पक्षकार/पक्षकारों द्वारा विवाद नहीं किया गया है। इन परिस्थितियों के तहत सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया जाता है। इसलिए स्रोत मूल देश में अनुमानित उत्पादन लागत के संबंध में उपलब्ध सूचना तथा उचित समायोजनों के पश्चात् बिक्री, प्रशासनिक तथा सामान्य खर्च को संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य परिकलित करने के लिए आधार के रूप में लिया गया है। कमीशन, समुद्री भाड़े, इत्यादि के लिए लागू समायोजनों को पूरा करने के पश्चात् जांच अवधि के दौरान अधिमानी औसत निर्यात कीमत को गणना में लेते हुए कारखाना निकासी निर्यात कीमत परिकलित की गई है तथा उसके पश्चात् गैर सहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन साबित किया गया है।

5. मै. किंग बोर्ड लैमिनेट्स, हांग कांग

निर्यातक ने प्रश्नावली के परिशिष्ट 1 के अनुसार घरेलू बिक्रियों से संबंधित सौदेवार सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इसके बदले में उन्होंने महीनावार आधार पर सूचना प्रस्तुत की है जिसमें बीजक संख्या ग्राहक का नाम, भुगतान टर्म तथा निर्यातक प्रश्नावली के परिशिष्ट 1 में सूचीबद्ध सूचना का वर्णन नहीं है। उन्होंने भारत को किए गए निर्यातों से संबंधित परिशिष्ट 2 के लिए कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। परिशिष्ट 2 क में, घरेलू बिक्रियों, भारत को की गई बिक्रियां तथा तीसरे देश को की गई

बिक्रियों के लिए जांच अवधि तथा जांच अवधि के पूर्ववर्ती दो वर्ष के दौरान की गई बिक्रियों से संबंधित माहवार सूचना प्रस्तुत नहीं की है । इसके अलावा, उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार, परिशिष्ट 3 से आगे के लिए कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है । इस प्रकार उन्होंने अपनी बिक्री कीमत ढांचा तथा कारखाना लागत और भारत को की गई बिक्रियां तथा घरेलू बिक्रियों का उल्लेख नहीं किया है । उन्होंने खर्च का प्रभाजन कच्ची सामग्री की खपत तथा निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार, अन्य संगत सूचना के संबंध में लागत निर्धारण से संबंधित कोई सूचना भी प्रस्तुत नहीं की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने सूचना निर्यातक की प्रश्नावली के अंतर्गत अपेक्षित प्रपत्र और निर्धारित ढंग से प्रस्तुत नहीं की है । चूंकि परिशिष्ट 8 के तहत कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है और निर्यातक द्वारा कोई कारोबार वार सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है इसलिए प्राधिकारी यह निर्धारित नहीं कर सकते कि क्या बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हुई है सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावों पर भी निर्यातक द्वारा कोई विवाद नहीं किया गया है । इन परिस्थितियों में सामान्य मूल्य नियमों के तहत नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है । इस प्रकार संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य परिकलित करने के लिए मूल देश में उत्पादन की अनुमानित लागतों और साथ ही बिक्री, प्रशासनिक और सामान्य व्यय तथा उचित समायोजन करने के पश्चात् लाभ की उचित राशि के बारे में उपलब्ध सूचना को आधार बनाया गया है । कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण हांगकांग से भारत को भारत औसत निर्यात कीमत उपयुक्त समायोजन करके किया जाता है और इसके पश्चात् पाटन मार्जिन निर्धारित किया जाता है ।

6. हांग कांग के अन्य निर्यातक

प्राधिकारी नोट करते हैं कि हांगकांग के अन्य किसी निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावों पर अन्य हितबद्ध पार्टी / पार्टियों द्वारा कोई विवाद नहीं किया गया है। इन परिस्थितियों में सामान्य मूल्य नियमों के तहत नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। इस प्रकार संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य परिकलित करने के लिए मूल देश में उत्पादन की अनुमानित लागतों और साथ ही बिक्री, प्रशासनिक और सामान्य व्यय तथा उचित समायोजन करने के पश्चात् लाभ की उचित राशि के बारे में उपलब्ध सूचना को आधार बनाया गया है। कारखाना-गत निर्यात कीमत जांच अवधि के दौरान प्रकार/ग्रेड के लिए भारित औसत निर्यात कीमत को ध्यान में रखने और कमीशन, समुद्री भाड़ा इत्यादि के लिए उपयुक्त समायोजन करने के पश्चात् किया है और इसके बाद असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है।

7. मै. नान या प्लास्टिक, ताइवान

प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने सूचना निर्यातक की प्रश्नावली के अंतर्गत अपेक्षित प्रपत्र और निर्धारित ढंग से प्रस्तुत नहीं की है। चूंकि विभिन्न परिशिष्ट के तहत कोई संगत सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है, प्राधिकारी यह निर्धारित नहीं कर सकते कि क्या घरेलू बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई है। निर्यातक ने भारत को की गई बिक्रियों से संबंधित कुछ बीजक प्रस्तुत किए हैं और संबद्ध वस्तु की भारत की



कीमत और ताइवान की कीमत की कीमत तुलना के लेखे दिए हैं । सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावों के बारे में किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार/पक्षकारों द्वारा भी कोई विवाद नहीं किया गया है । इन परिस्थितियों में सामान्य मूल्य नियमों के तहत नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है । इस प्रकार संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य परिकलित करने के लिए मूल देश में उत्पादन की अनुमानित लागतों और साथ ही बिक्री, प्रशासनिक और सामान्य व्यय तथा उचित समायोजन करने के पश्चात् लाभ की उचित राशि के बारे में उपलब्ध सूचना को आधार बनाया गया है । कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण भारत को उनकी भारित औसत निर्यात कीमत उपयुक्त समायोजन करके किया जाता और इसके पश्चात् पाटन मार्जिन तय किया जाता है ।

#### 8. ताइवान के अन्य निर्यातक

प्राधिकारी नोट करते हैं कि ताइवान के अन्य किसी निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावों पर अन्य हितबद्ध पार्टी / पार्टियों द्वारा कोई विवाद नहीं किया गया है । इन परिस्थितियों में सामान्य मूल्य नियमों के तहत नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है । इस प्रकार संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य परिकलित करने के लिए मूल देश में उत्पादन की अनुमानित लागतों और साथ ही बिक्री, प्रशासनिक और सामान्य व्यय तथा उचित समायोजन करने के पश्चात् लाभ की उचित राशि के बारे में उपलब्ध सूचना को आधार बनाया गया है । इसलिए प्राधिकारी ने ताइवान के अन्य निर्यातकों के लिए

सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) की शर्तों में उपलब्ध उचित सूचना के अनुसार किया है। कारखानागत निर्यात कीमत, कमीशन, समुद्री भाड़े के लिए उपयुक्त समायोजन करने के पश्चात् निकाली गई है और तत्पश्चात् असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन तय किया गया है।

9. मै. नैम हिंग इंडस्ट्रियल लैमिनेट लि., चीन जन. गण.

प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने सूचना निर्यातक की प्रश्नावली के अंतर्गत अपेक्षित प्रपत्र और निर्धारित ढंग से प्रस्तुत नहीं की है। चूंकि विभिन्न परिशिष्टों के तहत कोई संगत सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है इसलिए प्राधिकारी यह निर्धारित नहीं कर सकते कि क्या घरेलू बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई है। निर्यातक ने पुराने निर्यातकों की प्रश्नावली के अनुसार कुछ सूचना प्रस्तुत की है। तथापि, उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली में विशेष रूप से पूछे गए संबद्ध वस्तु के विभिन्न ग्रेडों के संबंध में सूचना प्रस्तुत नहीं की है। यह भी नोट किया जाता है कि उन्होंने पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 1 के नियम 8(3) में यथाउल्लिखित अनुमानों का खंडन करते हुए कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। निर्यातक से कोई संगत सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण उचित उपलब्ध सूचना अर्थात् उचित उपलब्ध सूचना के अनुसार लाभ के लिए उपयुक्त मार्जिन के साथ उत्पादन की लागत का परिकलन करके किया है। कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण उपयुक्त समायोजनों के साथ चीन जन. गण. से आयातों की कुल मात्रा को ध्यान में रखकर भारत को भारित औसत निर्यात कीमत के

आधार पर किया गया है और तत्पश्चात् पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है ।

#### 10. चीन जन. गण. के अन्य निर्यातक

प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. के अन्य किसी निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावों पर अन्य हितबद्ध पार्टी / पार्टियों द्वारा कोई विवाद नहीं किया गया है । इन परिस्थितियों में सामान्य मूल्य नियमों के तहत नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है । इस प्रकार संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य परिकलित करने के लिए मूल देश में उत्पादन की अनुमानित लागतों और साथ ही बिक्री, प्रशासनिक और सामान्य व्यय तथा उचित समायोजन करने के पश्चात् लाभ की उचित राशि के बारे में उपलब्ध सूचना को आधार बनाया गया है । इसलिए प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के अन्य निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) की शर्तों में उपलब्ध उचित सूचना के अनुसार किया है । कारखानागत निर्यात कीमत, कमीशन, समुद्री भाड़े के लिए उपयुक्त समायोजन करने के पश्चात् निकाली गई है और तत्पश्चात् असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन तय किया गया है ।

देश	निर्यातक/आयातक का नाम	पाटन मार्जिन %
कोरिया जनवादी गणराज्य	मै. दूसान कार्पो.	29.49
	अन्य निर्यातक	56.46
हांगकांग	मै. किंगबोर्ड लैमिनेट्स	40

	अन्य निर्यातक	40
ताइवान	मै. नानया प्लास्टिक्स	40.67
	अन्य निर्यातक	40.67
फिलीपींस	मै. आईसोला	14.47
	अन्य निर्यातक	39.47
चीन जनवादी गणराज्य	मै. नाम हिंग इंडस्ट्रीयल लैमिनेट	57.17
	अन्य निर्यातक	57.17

### झ. क्षति:

26. उक्त नियम 11 अनुबंध 2 के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में "-----पाटित आयात की मात्रा, घरेलू बाजार के समान वस्तुओं की कीमत पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए" घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमत में कोई अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आयी है अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आयी है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

1. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उक्त नियमावली के अनुबंध 2(4) के अनुसरण में

ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि ।

2. समान वस्तु के घरेलू उत्पादन के संबंध में नियमों के अनुबंध 2 के पैरा 6 के अनुसरण में पाटित आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन तब किया जा सकता है, जब उपलब्ध आंकड़े उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादक की बिक्री और लाभ जैसे मानदण्डों के आधार पर उस उत्पादन की अलग से पहचान की अनुमति दें । यदि उस उत्पादन की ऐसी अलग से पहचान संभव न हो तब पाटित आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन सबसे छोटे समूह अथवा उत्पादों की श्रेणी के उत्पादन की जांच द्वारा किया जा सकता है, जिसमें वह समान उत्पाद शामिल है जिसके लिए आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है ।
3. यह देखा जा सकता है कि यद्यपि विभिन्न प्रकार के कॉपर क्लैड लैमिनेट्स की विभिन्न विशेषताएं, उपयोग इत्यादि होते हैं तथापि, कुछेक प्रक्रियाएं ऐसी हैं जिनमें आम उपकरणों और सुविधाओं का उपयोग किया जाता है । इस तथ्य के मद्देनजर कि उत्पादन प्रक्रिया और उत्पादन क्षमताएं अलग-अलग अनुपातों में परस्पर एक ही होती हैं इसलिए लैमिनेट के प्रत्येक अलग-अलग किस्म के लिए घरेलू उद्योग की क्षति का मूल्यांकन करना न तो उपयुक्त होगा और न ही संभव होगा । इसलिए प्राधिकारी पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 2 के पैरा 6 के अनुसरण में कॉपर क्लैड लैमिनेट्स के

सभी विभिन्न प्रकारों के लिए क्षति का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त समझते हैं ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

27. घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विश्लेषण रिकार्ड में उपलब्ध सूचना और पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय के अधिकारियों द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर किया गया है । क्षति निर्धारण और क्षति विश्लेषण जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के आधार पर किया गया है । जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान आयातों की कुल मात्रा का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के आयात आंकड़े संबद्ध देशों और संबद्ध देशों से अलग देशों से गौण स्रोतों से लिए हैं क्योंकि डी जी सी आई एंड एस से वर्ग मीटर के रूप में इकाईयों के लिए कारोबारवार कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए हैं । इसके अलावा, कई निर्यातकों ने अपने सभी सौदों में इकाईयों को एस क्यू एम निर्यात इकाई के रूप में उल्लिखित किया है । कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत हास तथा कीमत अवमूल्यन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने विभिन्न प्रभार के सी सी एल (ग्लास आधारित, फाईबर आधारित और कम्पोजिट) की तुलना की है, जिनका आयात संबद्ध देशों से किया गया है और जिनका विनिर्माण और बिक्री घरेलू उद्योग द्वारा की जा रही है ।

### मात्रा में क्षति

संबद्ध देशों से हुए आयातों में बहुत अधिक वृद्धि और कुल आयातों में

उनका बाजार हिस्सा

1. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में संपूर्ण रूप से पर्याप्त वृद्धि हुई है। इसके अलावा, यह भी नोट किया जा सकता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों का हिस्सा भारत में उत्पादों के कुल आयातों के संबंध में पर्याप्त रूप से बढ़ा है। प्राधिकारी अनंतिम रूप से साक्ष्य की जांच करने के पश्चात् इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि इस फर्म को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के बढ़े हुए आयातों के कारण क्षति हो रही है।

संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात एसक्यूएम इकाईयां				
	99-00	2000-01	अप्रैल-दिस. वार्षिक	जांच अवधि वार्षिक
संबद्ध देश	984241	992044	1279763	1587843
अन्य देश	65912	33467	15458	25630
कुल आयात	1050153	1025511	1295221	1613473

मांग के अनुपात में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा

2. प्राधिकारी ने देश में कुल मांग की गणना कुल आयातों को विचाराधीन उत्पाद की घरेलू उद्योग की बिक्री से जोड़कर की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की कुल मांग में संबद्ध देशों का हिस्सा जांच अवधि के दौरान अधिक हुआ है। जबकि अन्य आयातों के हिस्से में मामूली वृद्धि हुई है। कुल मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान

गिरावट आई है। इस प्रकार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संबद्ध देश से हुए आयातों के बाजार हिस्से में कुल मांग के हिस्से के रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है और पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।

संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात एसक्यूएम इकाईयां				
	99-00	2000-01	अप्रैल-दिस. वार्षिक	जांच अवधि वार्षिक
संबद्ध देश	100	100.7	130.03	161.3
अन्य देश	100	50.78	23.45	38.89
कुल आयात	100	97.65	123.34	153.64

कुल आयात में संबद्ध देशों का अंश (%)				
	99-00	2000-01	अप्रैल-दिस. 01 वार्षिक	जांच अवधि वार्षिक
संबद्ध देश	93.72	96.74	98.81	98.41
अन्य देश	6.28	3.26	1.19	1.59
कुल आयात	100	100	100	100

घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में आयातों के हिस्से में वृद्धि

3. घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है। इसलिए प्राधिकारी अनंतिम रूप



से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त फर्म संबद्ध देशों से बढ़े हुए आयातों के कारण मात्रात्मक क्षति का सामना कर रही है ।

कुल मांग में घरेलू उद्योग का अंश				
	99-00	2000-01	अप्रैल-दिस. वार्षिक	जांच अवधि वार्षिक
संबद्ध देश	55.8	56.64	67.2	86.11
अन्य देश	3.74	1.91	0.81	1.39
घरेलू उद्योग	13.35	17.29	9.77	11.96
अन्य उत्पादक	27.12	24.16	22.22	.54
कुल	100	100	100	100

#### उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

- पिछले नौ महीनों की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है । तथापि, इसमें वर्ष 2000-01 से अत्याधिक गिरावट आई है । वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों में महत्वपूर्ण कमी हुई है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम क्षमता उपयोग तथा पिछली अवधि की तुलना में बिक्री मात्रा में गिरावट के चलते घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग को वर्ष 2000-01 से निरंतर कम क्षमता उपयोग का सामना करना पड़ रहा है ।

### कीमत संबंधी प्रभाव

5. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 2 के सिद्धांत (4) में निम्नानुसार उल्लेख है :

संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करते समय उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी आवश्यक आर्थिक कारकों तथा संकेतकों का मूल्यांकन शामिल होना चाहिए, जिनमें बिक्रियों, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश से आय या क्षमता का उपयोग में प्राकृतिक एवं संभावित कमी, घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, सूचियों, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता में वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं ।

कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय, इस बात की जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान उत्पाद के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों द्वारा मूल्यों में पर्याप्त मात्रा में कटौती हुई अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा पर्याप्त स्तर तक गिरावट आई है । प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना निवल बिक्री प्राप्तियों से की है और यह पाया है कि पाटित आयातों द्वारा कीमतों में भारी कटौती

की गई है । आयातों के पहुंच मूल्य को घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्तियों से काफी कम पाया गया है ।

प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस दावे की भी जांच की कि घरेलू उद्योग कॉपर क्लैड लैमिनेट्स की बिक्री पर हुए घाटे के कारण प्रभावित हो रहा है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति का मूल्यांकन करने के लिए कम कीमत पर बिक्री एक महत्वपूर्ण संकेतक है । प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद की क्षतिरहित कीमत निकाली है और कम कीमत पर बिक्री की सीमा पर पहुंचने के लिए इसकी तुलना पहुंच मूल्य से की है । यह विश्लेषण कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव के महत्वपूर्ण स्तर को दर्शाता है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । इसके अतिरिक्त, इन आयातों का घरेलू बाजार में कीमतों पर अत्याधिक ह्रासकारी/न्यूनकारी प्रभाव पड़ रहा था, क्योंकि घरेलू उद्योग पाटित आयातों के मद्देनजर अपनी बिक्री कीमतें नहीं बढ़ा पा रहा था । इस प्रकार, उपलब्ध साक्ष्य की जांच से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को अपनी बिक्रियों पर समग्र रूप से क्षति हुई है । प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती की सीमा निर्धारित की है और यह निष्कर्ष निकाला है कि संबद्ध देश से आयात के कारण जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने कीमत में भारी कटौती और कम कीमत पर बिक्री की है ।

#### बिक्री कीमत

6. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में वर्ष 2000-01 की तुलना में गिरावट आई है । यह भी नोट किया

जाता है कि विगत कई वर्षों से घरेलू उद्योग को लगातार घाटा हो रहा है । हालांकि यह घाटा वर्ष 2000-01 के दौरान कम हो गया, तथापि, जांच अवधि के दौरान इस घाटे में भारी वृद्धि हुई है । साक्ष्य की अनंतिम रूप से जांच के बाद प्राधिकारी ने निष्कर्ष निकाला है कि संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमतों में गिरावट आने के कारण फर्म को क्षति का सामना करना पड़ रहा है ।

#### वस्तु सूचियां

7. यह नोट किया जाता है कि उत्पादन में कमी आने के बावजूद, घरेलू उद्योग के पास आरंभिक स्टॉक तथा औसत स्टॉक के संबंध में उच्च वस्तु सूचियां पड़ी हुई हैं । साक्ष्य की अनंतिम रूप से जांच करने के बाद प्राधिकारी ने निष्कर्ष निकाला है कि संबद्ध वस्तुओं की उच्च वस्तु सूचियों के कारण फर्म को क्षति का सामना करना पड़ रहा है ।

#### उत्पादकता एवं वृद्धि

8. वर्ष 2000-01 से घरेलू उद्योग की उत्पादकता (प्रति कर्मचारी उत्पादन) में काफी गिरावट आई है, हालांकि पिछले नौ महीनों की तुलना में इसकी उत्पादकता में मामूली सुधार हुआ है । यह भी नोट किया जाता है कि वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के दौरान कंपनी की वृद्धि नकारात्मक रही है । वस्तुतः वर्ष 2000-01 से घरेलू उद्योग में नकारात्मक वृद्धि हो रही है । साक्ष्य की अनंतिम रूप से जांच करने के बाद प्राधिकारी ने निष्कर्ष

निकाला है कि उत्पादकता तथा वृद्धि में गिरावट आने के कारण फर्म को क्षति का सामना करना पड़ रहा है ।

उत्पादन बंद करने वाले उत्पादकों की संख्या

9. यह नोट किया जाता है कि भारत में संबद्ध वस्तु के अन्य उत्पादकों ने अपना उत्पादन बंद कर दिया है तथा घरेलू उद्योग के रूप में केवल याचिकाकर्ता ही एकमात्र कंपनी रह गया है । हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क की जांच करने के बाद, आगे की जांच होने तक प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला है कि संबद्ध देशों से आयातों के कारण अन्य फर्म भी बंद हो सकती हैं ।

नए निवेश को जुटाने की क्षमता

10. यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता ने पूर्व में वित्तीय संस्थानों से कुछ कर्ज लिया था । याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि विद्यमान प्रतिकूल निष्पादन तथा उच्च ब्याज भार के कारण आहरित निधि का उपयोग नहीं किया जा सका । यह भी दावा किया गया है कि यदि नए निवेशों को छोड़ भी दिया जाए तो भी पाटन का प्रभाव इतना गंभीर रहा है कि विद्यमान देयताओं को चुकाना भी कठिन हो गया है । प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क की जांच की तथा नोट किया कि

वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए फर्म के पास निवेश जुटाने की बहुत कम क्षमता है ।

#### रोजगार

11. यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के दौरान कंपनी के रोजगार में मामूली कमी आई है, हालांकि वर्ष 1999-2000 में इसमें वृद्धि हुई थी । तथापि, उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर, प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष नहीं निकाल पाए कि रोजगार की कमी के कारण क्षति हुई है ।

#### नकदी प्रवाह तथा लाभप्रदता

12. कंपनी का नकदी प्रवाह जो वर्ष 2000-01 के दौरान सकारात्मक रहा था उसमें तत्पश्चात् लगातार कमी आती रही है और उसके बाद वह ऋणात्मक हो गया है । अनंतिम रूप से साक्ष्य की जांच करने के पश्चात् प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि घटते हुए नकदी प्रवाह के कारण फर्म को क्षति का सामना करना पड़ रहा है ।

#### कीमत हास/कमी तथा कम कीमत पर बिक्री

13. यह नोट किया जाता है कि आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत की तुलना में कम है ।

क्षति से संबंधित आर्थिक मानदंड					
	एकक	99-00	2000-01	अप्रैल-दिसं. वार्षिक	जांच अवधि वार्षिक
स्थापित क्षमता	सूचकांक	100	100	100	100
क्षमता उपयोगिता	% सूचकांक	100	140	91	100
उत्पादन	सूचकांक	100	140	91	100
घरेलू बिक्री	सूचकांक	100	129	79	94
अन्य उत्पादकों की बिक्री	सूचकांक	100	88	24	8
आरंभिक स्टॉक	सूचकांक	100	58	148	160
अंतिम स्टॉक	सूचकांक	100	253	273	213
उत्पादन की लागत	सूचकांक	100	105.4	104.99	87.71
औसत बिक्री मूल्य	सूचकांक	100	117	108	92
लाभ/हानि	सूचकांक	100	-32	-87	-58
कार्यशील पूंजी	सूचकांक	100	110	102	90
पूंजीगत रोजगार	सूचकांक	100	103	101	98.9
पूंजी से लाभ	सूचकांक	100	-22	-78	-50
वेतन व मज़दूरी	सूचकांक	100	152	161	158
उत्पादकता	सूचकांक	100	113	77	85
वृद्धि	%	100	15	-20	-31

इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से कम है, जिसके कारण घरेलू उद्योग द्वारा कम कीमत पर बिक्री की गई है। अनंतिम रूप से साक्ष्य की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमतों में ह्रास, कीमत में कमी तथा

कम कीमत पर बिक्री के कारण फर्म को क्षति का सामना करना पड़ रहा है ।

कॉपर क्लैड लैमिनेट्स में कीमत कटौती (रूपए.में) पी एस क्यू एम

जांच अवधि के दौरान कीमत में कटौतियां				
देश	निवल बिक्री मूल्य संबंधित याचिकाकर्ता	संबद्ध देश से पहुंच मूल्य	कीमतों में कटौतियां	भारत औसत कीमतों में कटौतियों का प्रतिशत
चीन जन. गण.	****	****	****	22%
हांग कांग	****	****	****	
ताइवान	****	****	****	
दूसान कोरिया	****	****	****	
अन्य कोरियाई	****	****	****	
आईसोला फिलीपींस	****	****	****	
अन्य फिलीपींस	****	****	****	

### क्षति के बारे में निष्कर्ष

28. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्ष निकाले हैं: -

1. संबद्ध देशों से आयातों में समग्र रूप में भारत में अत्याधिक वृद्धि हुई है ।



2. संबद्ध देशों से आयातों में भारत में कॉपर क्लैड लैमिनेट्स के कुल आयातों की तुलना में वृद्धि हुई है ।
3. संबद्ध देशों से आयातों में भारत में कॉपर क्लैड लैमिनेट्स की मांग की तुलना में वृद्धि हुई है ।
4. आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में भारी कटौती हुई है ।
5. याचिकाकर्ता कम कीमत पर बिक्री कर रहा है क्योंकि संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत अथवा उचित बिक्री कीमत से कम है ।
6. याचिकाकर्ता कीमत में कमी/ह्रास का सामना कर रहा है क्योंकि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से कम है ।
7. संबद्ध वस्तुओं की बिक्री के कारण घरेलू उद्योग को घाटा हुआ है । वस्तुतः उन्हें जांच अवधि के दौरान घाटा हुआ है तथा इसी अवधि के दौरान बिक्री की मात्रा में भी कमी आई है ।
8. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग को मात्रा एवं कीमत संबंधी क्षति हुई है । कुल मिलाकर, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

अ. कारणात्मक संबंध

(छ) यह निर्धारित करते समय कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई थी, प्राधिकारी ने सभी ज्ञात कारकों के प्रभाव तथा उद्योग की स्थिति पर उनके परिणामों की जांच की। पाटित आयातों के अलावा ज्ञात कारक, जिन्होंने उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई है की भी जांच की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन अन्य कारकों के कारण संभावित क्षति पाटित आयातों के कारण नहीं हुई है।

(ख) पाटित आयातों का प्रभाव

वर्ष 1999-2000 तथा जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों का बाजार हिस्सा 1999-00 में 55.8 प्रतिशत से जांच अवधि के दौरान 82.67 प्रतिशत के बीच था। जहां तक निर्यात कीमतों का संबंध है, संपूर्ण विचाराधीन अवधि के दौरान इनमें काफी हद तक कमी आई है तथा जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों में औसतन 22 प्रतिशत की कटौती हुई है।

पाटित आयातों की कीमतें जांचाधीन अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों से कम थी तथा इसकी वजह से इनपर दबाव पड़ा, परिणामतः घरेलू उद्योग को कम कीमत बनाए रखने हेतु बाध्य होना पड़ा। अतएव, यह माना जाता है

कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

(ग) अन्य कारकों का प्रभाव

कुछ आयातकों ने सलाह दी है कि अन्य घरेलू उत्पादक यथा मैसर्स सेंदूर लैमिनेट्स जो कि 100 प्रतिशत ई ओ यू था तथा मै. बैकलाइट हाइलैम जिन्होंने 1999 में उत्पादन बंद कर दिया था का संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई क्षति से कोई संबंध नहीं है । मैसर्स बैकलाइट हाइलैम तथा मैसर्स पी सी एस ने 2001-02 तक का अपना उत्पादन विवरण प्रस्तुत किया है तथा इसकी पुष्टि की है कि अनेक देशों से पाटन के फलस्वरूप उन्होंने अपना कार्य बंद कर दिया है ।

अन्य दो विनिर्माण इकाई यथा मैसर्स पी सी एस इंडस्ट्रीज, पुणे तथा मैसर्स बैकलाइट हाइलैम लि., सिकन्दराबाद की बंदी से संबंधित विभिन्न हितबद्ध पार्टियों के तर्क की जांच करने के पश्चात् प्राधिकारी अनंतिम रूप से निष्कर्ष निकालते हैं कि इकाईयां, संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण बंद हुई हैं ।

(ज) आत्मकृत क्षति

विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह प्रस्तुत किया गया है कि याचिकाकर्ता कंपनी ने विगत अनेक वर्षों से अपने निवल मूल्य को अदक्ष

निष्पादन के कारण काफी हद तक कम किया है न कि आरोपित पाटित आयातों के कारण । यह भी प्रस्तुत किया गया कि कंपनी एक पुनर्वास पैकेज के लिए सक्षम प्राधिकारी (बी आई एफ आर) से पहले से ही पंजीकृत है तथा याचिकाकर्ता कंपनी को विगत अनेक वर्षों से हुई लगातार हानि आरोपित पाटित आयातों के कारण नहीं हुई है ।

प्राधिकारी ने इस विवरण को सही माना है कि कंपनी ने अपना निवल मूल्य, जैसा कि विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दावा किया गया है, रिपोर्ट में दर्ज कारणों की वजह से कम किया है । यह भी नोट किया गया है कि सक्षम प्राधिकारी ने कंपनी के बीमार होने के कुछ कारणों का पता लगाया है तथा आगे यह भी पता लगाया है कि यदि कंपनी इन कमजोरियों को दूर करने के लिए कुछ कदम उठाती है तो कंपनी फिर से सक्षम हो सकती है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी काफी लंबे समय से क्षति का सामना कर रही है तथा इस दीर्घकालीन क्षति के अनेक कारण हो सकते हैं । सक्षम प्राधिकारी ने रिपोर्ट में क्षति के कारणों को स्पष्टता से बताया है तथा याचिकाकर्ता द्वारा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष दायर की गई रिटर्न की प्रतियों के अनुसार पहले से ही कार्रवाई की जा रही है । प्राधिकारी अनंतिम रूप से घरेलू उद्योग के तर्क से सहमत हैं कि बी आई एफ आर रिपोर्ट में दिए गए उन कारकों के संबंध में पर्याप्त कदम उठाए गए हैं जिसके कारण पहले क्षति हुई थी । तथापि, रिपोर्ट के अनुसार घरेलू उद्योग को हुई पहले की क्षति जैसा कि पूर्व में उल्लेख किया गया है तथा अब घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति विभिन्न कारणों से तथा विभिन्न समय अवधि \*\*\*\*\* में हुई है । घरेलू उद्योग ने दावा किया है कंपनी ने वे सभी

कदम उठाए हैं जो बी आई एफ आर रिपोर्ट के अनुसार अपेक्षित थे । प्राधिकारी घरेलू उद्योग के तर्क से सहमत हैं कि घरेलू उद्योग को हुई वर्तमान क्षति के लिए विगत समस्याओं का हवाला देना उचित नहीं होगा जबकि क्षति के कारण तथा समयावधि अलग-अलग हैं । विभिन्न हितबद्ध पार्टियों के तर्क की जांच करने के पश्चात् प्राधिकारी नोट करते हैं कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा उल्लिखित समस्याओं/ कमियों को दूर करने के लिए कंपनी द्वारा एक निश्चित कदम उठाने के बाद पाटित आयातों के कारण क्षति को दूर करने के लिए अन्य निवारणात्मक उपायों को ढूँढने से कंपनी को रोका नहीं जा सकता ।

(ड) मांग में कमी

प्राधिकारी को विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच मांग में कमी, खपत पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं तथा प्रतिस्पर्धा संबंधी कोई भी साक्ष्य नहीं मिला । यह भी नोट किया गया कि तकनीकी विकास, घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है ।

(च) तीसरे देशों से आयात

प्राधिकारी को दी गई सूचना के अनुसार, असंबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं की आयात की कुल मात्रा संबद्ध देशों के कुल आयातों का छोटा अनुपात रहा गया है तथा इनके बाजार भाव में करीब 2 प्रतिशत तक परिवर्तन आया है । अतः अनंतिम रूप से यह माना जाता है कि घरेलू उद्योग पर इनका कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है ।

(छ) कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

उपर्युक्त विश्लेषण के आलोक में, जिसमें पाटित आयातों के हानिकारक प्रभावों से घरेलू उद्योग की स्थिति पर सभी ज्ञात कारकों के प्रभाव को उचित रूप से पहचाना तथा अलग किया गया है, अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि ऐसे अन्य कारक इस तथ्य को नहीं बदलता है कि वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है ।

अतएव, अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अर्थ के अंदर संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

(ट) भारतीय उद्योग के हित

29. सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनःस्थिति लाना है, जो कि देश के सामान्य हित में है ।

30. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है । तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी । इसके विपरीत, पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग के ह्रास को रोका जाएगा और

संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा । उपभोक्ता दो या इससे अधिक आपूर्ति के स्रोत रख सकेंगे ।

(ठ) निष्कर्ष

31. पूर्वाक्त पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:

(क) संबद्ध देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद या संबद्ध वस्तु का निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;

(ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

(ग) यह क्षति संचयी रूप से संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है;

32. प्राधिकारी घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के उद्देश्य से अंतिम रूप से निर्धारण होने तक, संबद्ध देशों से कॉपर क्लैड लैमिनेट्स के सभी आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं ।

प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन उपरोक्त पैराग्राफों में दर्शाया गया है । प्राधिकारी पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि को सिफारिश करने का प्रस्ताव करते हैं जिसे यदि वसूल किया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी । क्षति का निर्धारण करने के उद्देश्य से, आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनियों की क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ करने का प्रस्ताव है ।

तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि अंतिम निर्धारण होने तक संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क शीर्ष 7410.21 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध वस्तुओं यथा कॉपर क्लैड, लैमिनेट्स जो नेमा श्रेणियों एफ आर 1 तथा 2, एक्स पी सी, एफ आर 4 तथा सी ई एम 1 के अनुरूप 0.8 मिमी. से 3.2 मिमी. (0.8 मिमी. तथा 3.2 मिमी. दोनों शामिल हैं) की चौड़ाई का हो, के सभी आयातों पर केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचना जारी करने की तारीख से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । लैमिनेट्स के विभिन्न प्रकारों की संबद्ध लागतों तथा मूल्यों में महत्वपूर्ण परिवर्तन तथा वर्तमान मामले में शामिल अनेक देशों को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी शुल्क यथा मूल्य आधार पर लगाने की सिफारिश उचित मानी गई । तदनुसार, भारत में पाटनरोधी शुल्क सी आई एफ निर्यात कीमतों के प्रतिशत पर निम्नांकित तालिका के कॉलम में निर्धारित दर पर लगाने की सिफारिश की गई है ।



देश (1)	उत्पादक/निर्यातक का नाम (2)	शुल्क %(3)
कोरिया जन. गण.	मै. दूसान कार्पो.	26.67
	अन्य उत्पादक/निर्यातक	46.41
फिलीपींस	मै. आईसौला एशिया पैसिफिक, फिलीपींस	14.06
	अन्य उत्पादक/निर्यातक	22.83
ताइवान	सभी उत्पादक/निर्यातक	18.07
हांग कांग	सभी उत्पादक/निर्यातक	23.89
चीन जन. गण.	सभी उत्पादक/निर्यातक	43.92

33. इस प्रयोजनार्थ आयातों का सी आई एफ मूल्य वह मूल्य होगा जिसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के तहत लगाए गए सभी शुल्क शामिल नहीं होंगे ।

(द) आगे की प्रक्रिया

34. प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा;

(ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं तथा अन्य ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है, जो प्रारंभिक परिणामों की तारीख से 40 दिनों के अंदर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के

प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;

(ग) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक अनुरोध करने का अवसर प्रदान करेंगे जिन्हे उसके बाद लिखित में प्रस्तुत करना होगा;

(घ) प्राधिकारी आवश्यक सीमा तक और आगे जांच करेंगे;

(ङ) प्राधिकारी द्वारा अंतिम निष्कर्षों को घोषणा करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का खुलासा किया जाएगा ।

एल.वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

**(Department of Commerce)**

**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th June, 2003

**PRELIMINARY FINDINGS**

**Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Copper Clad Laminates originating in or exported from the China PR, Hong Kong, Taiwan, South Korea, Singapore, Philippines and Thailand.**

**No. 14/44/2002-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment**

and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE:

2. The procedure described below has been followed:-

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. Gujarat Perstorp Electronics Limited, Gandhinagar, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of copper clad laminates originating in or exported from China PR, Hong Kong, Taiwan, South Korea, Singapore, Philippines & Thailand (hereinafter referred to as subject countries);
- (ii) The Authority notified the Embassies/High Commissions of China PR, Hong Kong, Taiwan, South Korea RP, Singapore, and Philippines & Thailand in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- (iii) The Authority issued a Public Notice dated 24<sup>th</sup> December, 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of copper clad laminates of Schedule I of the Customs Tariff Act.
- (iv) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers, industry associations and to the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing.
- (v) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Embassies/High Commissions of subject country in India.

(vi) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following known exporters from China PR, Hong Kong, Taiwan, South Korea, Singapore, Philippines & Thailand.

CHINA PR

M/s. INTERNATIONAL LAMINATE MATERIAL LTD.

M/s. HUALIDA COPPER CLAD LAMINATE CO. LTD.

M/s. TONGLING HUARUI ELECTRONIC MATERIAL CO. LTD

M/s. SHANGHAI NANYA COPPER CLAD LAMINATE CO. LTD.

M/s. ISOLA LAMINATE SYSTEM (SUGHOU) CO. LTD

HONG KONG

M/s. KINGBOARD CHEMICAL HOLDING LTD

M/s. NAM HING INDUSTRIAL LAMINATE LTD

M/s. ISOLA ASIA PACIFIC (HONG KONG) LTD

TAIWAN

M/s. CHANG CHUN PLASTICS CO. LTD

M/s. CHING KUANG CHEMICALS CO. LTD.

M/s. NAN YA PLASTICS CORPORATION

M/s. ISOLA ASIA PACIFIC (TAIWAN) INC.

SOUTH KOREA

M/s. DOOSAN ELECTRO MATERIAL CO. LTD

SINGAPORE

M/S. NELCO PRODUCTS PTE. LTD.

M/s. ISOLA ASIA PACIFIC (SINGAPORE) INC.

THAILAND

M/s. BANGKOK INDUSTRIAL LAMINATE CO. LTD

PHILIPPINES

M/s. ISOLA Pacific Inc.

M/s ISOLA Pacific Inc Philippines., M/s Doosan Corporation, Korea (RP), M/s King Board laminates, Hong Kong, Nam Hing Industrial Laminate Ltd, China PR, and M/s. Nan Ya Plastic Corporation, Taiwan have responded to the exporters questionnaire. Some of the exporters as well as Importers asked for an extension of time to respond to the questionnaire and the Authority after considering the request from the exporters and importers extended the time period to reply to the questionnaire by two weeks.

(vii) The Embassies/High Commissions of subject countries in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time;

(viii) The Ministry of Foreign Trade, (MOFTU) Beijing, Govt. of China PR, Hong Kong, Taiwan, South Korea, Singapore, Philippines & Thailand were also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.

(ix) The questionnaire was sent to the following known users/importers of subject goods:-

- M/S. PCS INDUSTRIES LIMITED, PUNE 411 006
- M/S. SANDUR LAMINATES LIMITED, BANGALORE – 560 022
- M/S. BAKELITE HYLAM LIMITED, SECUNDERABAD – 500 003
- M/S. AKASAKA ELECTRONICS LTD., NAVI MUMBAI – 400 705
- M/S. ANAND ELECTRONICS & INDUSTRIES, TAMIL NADU
- M/S. AT & S INDIA LIMITED, NANJANGUD – 571 301
- M/S. BCC FUBA INDIA LTD. NEW DELHI-110066
- M/S. BHARAT ELECTRONICS LTD. BANGALORE 560 013
- M/S. BLG ELECTRONICS LTD GUJARAT
- M/S. BPL LIMITED, DODDABALLAPUR – 561 203
- M/S. CAPRONICS PRIVATE LIMITED, BANGALORE – 560 029
- M/S. CIRCUIT SYSTEMS (I) LTD. GANDHINAGAR – 382 044
- M/S. CIRCUIT TECHNOLOGY, BANGALORE – 560 058
- M/S. COSMIC ENGINEERING ENTERPRISES, HYDERABAD – 500 762
- M/S. DECCAN CIRCUITS PVT. LTD, PUNE 411 004
- M/S. ELECTRONIC CORPORATION OF INDIA LTD, HYDERABAD – 500 062
- M/S. ELECTRONIC PHOTO FABRICATORS, PUNE 411 012
- M/S. EPITOME COMPONENTS LTD, AHMED NAGAR – 414 111
- M/S. EXCEL CIRCUITS PVT. LTD, BANGALORE – 562 106
- M/S. ELECTROTECH CIRCUITS (I) LTD, PUNE 411 037
- M/S. EMCO ELECTRONICS, MUMBAI 400 022

M/S. FINELINE CIRCUITS, MUMBAI 400 096

M/S. GARG ELECTRONICS, PANCHKULA – 134 109

M/S. GUJARAT NARMADA VALLEY FERTILIZERS CO. LTD,  
BHARUCH – 392 015

M/S. HBC FLEXTech LTD., HYDERABAD – 500 037

M/S. HIREL CIRCUITS PVT. LTD, GANDHINAGAR – 382 044

M/S. HIREL COMPONENTS (INDIA) LTD. PUNE

M/S. INFOCENTRE PVT. LTD, HYDERABAD – 500 062

M/S. INTEGRATED TECHNOLOGIES LTD, NEW DELHI-110024

M/S. ITI LTD., KERALA – 678 623

M/S. ITI LTD. GONDA – 271 308, UTTAR PRADESH

KERALA STATE ELECTRONICS DEV. CORPORATION LTD.  
TRIVENDRUM

M/S. KIRLOSKAR ELECTRIC CO. LTD. MYSORE – 571 186

M/S. LEO CIRCUIT BOARDS PVT. LTD, NAVI MUMBAI

M/S. LINKAS MICROELECTRONICS LTD. LUCKNOW – 226 016

M/S. MULTILINE CIRCUITS MUMBAI – 400 060

M/S. MULTILINE ELECTRONICS PVT. LTD PUNE – 411 026

M/S. OBEROI ELECTRONICS PVT. LTD FARIDABAD –  
HARYANA

M/S. OMEGA CORPORATION , MUMBAI 400 098

M/S. NSP ELECTRONICS BANGALORE 560 049

M/S. NUTEK CIRCUITS, BANGALORE 560 068

M/s Indian Printed Circuit Association (IPCA), BANGALORE – 560  
016

- (x) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- (xi) \*\*\*\* in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- (xii) The investigation covered the period from 1<sup>st</sup> January 2002 to 30<sup>th</sup> September 2002;
- (xiii) The Authority conducted on the spot investigation of the domestic industry to the extent considered necessary.
- (xiv) The cost of the production of the domestic industry was also analysed to work out the optimum cost of the production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles based on the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti Dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic Industry.
- (xv) Copies of initiation notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation.

#### B. PETITIONER'S VIEWS:

3. The petitioner, M/s. Gujarat Perstorp Electronics Limited, Kolkata has made the following points in their submissions: -

- (i) The product under consideration in the present petition is Copper Clad Laminates (CCL). Copper clad laminates are laminates of paper or glass fabric of a kind used to make printed circuit boards. A laminate is a multiple layer of paper or glass fabric which has been joined/fixed together using a resin. A foil of copper is laminated on the top of the sheet (either on one side or both sides) to provide current carrying capability to the laminate. There are various kinds of Copper Clad Laminates made out of Glass Epoxy, Paper Phenolic or Composite. These are further laminated with together with the copper foil which can be single sided or double sided depending upon the requirement which again could be of varying thickness. While thickness of the foil is largely uniform (18/35/70 micron), a number of prepregs can be laminated together depending upon the specific end requirement, resulting in varying thickness of the end product. Thus, while different laminates vary in terms of the associated costs and price (due to, primarily, difference in the raw material costs), different types of laminates result from the same production process.



- (ii) Laminates are classified under Customs Chapter 74. There is no dedicated customs classification of this product. Furthermore, there are various types of laminates with differing cost and prices. Imports of other products are also reported in this classification. At the same time, the subject laminates have been reported under various other Customs Sub-Classifications also. The scope of present investigation and proposed duty may kindly be extended to the subject goods falling under Chapter 74 regardless of Customs Sub-Classification.
- (iii) Copper clad laminates are being imported in India for the past more than 3-4 years. Dumping intensified from 1999-2000. Dumping has already eliminated the two other Indian producers. Such is the extent of dumping of the subject goods that petitioner has remained the sole operating company. Petitioner is the sole manufacturer of the subject goods in India at present. Bakelite Hylam Limited, PCS and Sandur Laminates were the other producers of Copper Clad Laminates. Sandur Laminates is an 100% Export Oriented Unit (EOU). Unfortunately, the severe dumping of the product from the subject countries has wiped out other producers, one by one.
- (iv) There is no major difference in the subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from subject countries. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Goods produced by the petitioner is a like article to the goods imported from the subject countries within the meaning of anti-dumping Rules.
- (v) The Designated Authority has treated China as non-market economy in practically all the investigations initiated against China after the amendment dated 31<sup>st</sup> May 2002. Even after the amendment dated 4<sup>th</sup> Jan., 02, the Designated Authority have treated China as a non-market economy. The petitioner has constructed cost of production of the subject goods for the determination of normal value in China PR.
- (vi) With regard to other countries, the petitioner has adopted cost of production constructed for these countries. For the purpose, petitioner has considered international prices for the critical raw materials and has applied conversion costs on the basis of its own experience.
- (vii) The Petitioner has scrutinized transaction wise imports in terms of following categories: XPC,FR-1 and 2,FR- S,FR- D,CEM-1. It would be seen from the enclosed information that a large number of import transaction for the year 2001-02 have been identified in terms of above categories.
- (viii) Normal values and export prices have been compared to determine dumping margin. It may be seen that the dumping margins are not only more than de-minimus, but also significantly high.

- (ix) It may be seen that the quantum of imports from each of the subject country is more than de-minimus limits. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. The Authority is, therefore, requested to assess injury to the domestic industry cumulatively from the subject countries.
- (x) There are various types of subject laminates, which differ in terms of raw material content and thickness. Different laminates have different costs and prices. Not only that the dumping margins are required to be established for comparable types, the injury margin is also required to be established using comparable types. However, since different laminates are one like product, injury to the domestic industry is required to be seen cumulatively for different types.
- (xi) Imports have increased substantially during the POI from subject countries and their market share has also increased in relation to the total imports and also in relation to the total demand in India and in relation to the production of domestic industry. The production and capacity utilisation of the of the domestic industry has declined during 01-02 as compared to previous years. Though the selling price has not declined, landed price of the subject goods from subject countries are significantly lower than selling price of domestic industry and also below the cost of production of domestic industry leading to price undercutting and price suppression/depression. The petitioner has also submitted other injury parameters like inventories, profitability, cash flow, productivity, growth, ability to raise investments, employment including the evidence for causal link indicating that the petitioner has suffered material injury from dumped imports from subject countries.

#### C. IMPORTERS AND USERS:

4. Views of IPCA, Bangalore, AT&S, Mysore, ECIL, Hyderabad, M/s Sulakshna Curcuits Ltd, Hyderabad, Sanmar Micropack Ltd, Bangalore, M/s Akasaka Electronics Ltd, Navi Mumbai, , M/s NSP Electronics Ltd, Bangalore, Multiline Electronics Private Limited, Pune, Gujarat Narmada Valley Fertilizers Co. Ltd., Gujrat, Deccan Circuits Pvt. Ltd, Pune, Multiline Circuits, Mumbai, M/s. U.V Circuits Pvt. Ltd. Bangalore, M/s. Shiltron Electronics & Engineering Pvt. Ltd. , Bangalore, Linaks Microelectronics Ltd, Eucknow, M/s. Circuit Systems India (Private) Ltd, M/s GNVFC Ltd., ITI Ltd, Bangalore, Cosmic Engineering Enterprise , M/s. Epitome Components Ltd., Ahmednagar, M/s. HI-REL Components (India) Ltd, M/s. Ascent

Circuits Pvt. Ltd. Tamil Nadu, Shogini Technocrafts Pvt. Ltd. ,  
M/s. Garg Electronics, Haryana, Emco, Electronics Ltd, Mumbai.

- (i) IPCA has taken note of the categorisation of the product under consideration in three broad categories which are paper phenolics, glass fabric and composite copper clad laminates with the various thicknesses and copper cladding. IPCA submits that actual cost of production would substantially vary in terms of the thickness and other properties. Hence, the claim of the domestic industry in the petition that the laminates of different thickness and other properties of one type are one and are the like products and are therefore, technically and commercially substitutable is factually wrong and erroneous. They have highlighted the attention of the Authority to the Rule 6(1) of the Annexure of Anti Dumping Rules, where due allowances have been sought to be granted for difference which affect price comparability. They have further stated that the laminates of specific thickness and other properties which cannot be manufactured by the domestic industry should be exempted from the scope of the present investigation.
- (ii) It has been claimed by the petitioner that they are the sole producer of the subject goods in India and we have no specific comments in this regard. However, as regard the other manufacturers of the subject goods in India, M/s. Sandur Laminates had only export-oriented operation and it would be factually incorrect to claim their closure on account of dumping. Similarly, M/s. Bakelite has closed operations since 1999 as they are not obviously affected because of dumping.
- (iii) It is submitted that the normal value of the subject goods has been worked out based on the constructed cost of production as provided by the petitioner. However, since the economic parameters in all subject countries are different, these factors should be considered separately by the Authority. Further the constructed cost has been arrived at based on the raw material prices at which the petitioner company has purchased the raw material, considering these as good indicator of the prices at which the producer of the subject goods in the subject country should have procured these vital raw material. Since the petitioner has purchased these raw materials through a related party, therefore, these may not reveal international prices based on which the findings of the authority should be based.
- (iv) As regards the conversion cost based on which the normal value has been claimed by the domestic industry, it is stated that the petitioner company has been declared as sick industry by BIFR and has been incurring losses for the last number of years. Under these circumstances, the claims of the domestic industry for adopting conversion cost shall lead to arriving of a normal value loaded with inefficiencies, which the company had been operating. The analysis of the export price should be made based on thickness of various laminates to facilitate a realistic comparison of

domestic sales and imports like to like basis. They have requested the authority to investigate the financial operations of the petitioner company thoroughly to arrive at fair assessment of the losses suffered by the petitioner company on account of purchases made by them through their sister concern Apollo International Limited. They have further requested the Authority to adopt a fair and realistic price of the import raw material and not based on the claims furnished by the petitioner company. They have requested the Authority to investigate the claim of injury made by the domestic industry with regard to the fact that the petitioner has been making continues losses of past some time and their cash flow continues to be negative. Further the company has been registered with BIFR for rehabilitation and continued losses suffered by the petitioner company in over last number of years cannot be attributed to the alleged dumped imports. They have further requested the Authority to examine the causal link issue and also with regard to inability of domestic industry to meet the requirement of user industry on account of quality and technological constraints.

- (v) Importers have submitted that the domestic industry has failed to fulfil the requirements of rule 5(1) and 5(2) and has misled the Designated Authority to initiate the investigations without passing the test of sufficiency, adequacy and accuracy of evidence as obligated by the Rules. The import information ought to have been examined as received and supplied by secondary source i.e. IBIS. As per the information given in the Annexure 1.2, at least two countries are below de minimus level.
- (vi) For manufacture of multi-layered PCBs, it is imperative to use laminates with thickness ranging from .075 mm to .80 mm. The final thickness of PCBs for which these thin cores or such laminates are used, are in the range from .6 mm to 3.2 mm based on the end requirement of the customer. They submit that the domestic industry does not produce such laminates and therefore, the same must be excluded from the purview of investigation. They have pointed out incorrect and unreliable import data submitted by the petitioner to advance their arguments before the Designated Authority. They further add that the data provided by the IBIS contains many other products which are outside the purview of product under consideration. They have further requested the Authority not to take into account the imports made under advance licences for the purpose of assessing volume effect. They have given an account of various injury parameters allegedly suffered by the domestic industry as per the petition and has submitted that the petitioner has merely made hollow and incoherent statements with regard to injury whereas the according to analysis, there has been no injury to the petitioner.
- (vii) Initially, there were 3 Indian suppliers of copper clad laminates. One by one, they closed ultimately only one supplier is left now and this is located in Gujarat; Gujarat is disturbed by communal riots and disturbances. We

have a threat; if this is also closed there would not be any supplier of laminates. Hence, we are forced to buy from abroad.

- (viii) The laminates supplied GPEL has quality problems viz. warping, foreign particles in the laminate, starvation of resin etc. Their price is 15-20% more than the imported laminates of landed cost. Because of the reasons viz. single party to supply, quality problems, price and disturbed location where the plant is situated, we have started buying from abroad since January 2003, after patiently buying the Indian laminates since more than 5 years. "
- (ix) The copper clad laminate is the basic raw material to produce a Printed Circuit Board (PCB) (commonly known as the Mother Board). The PCB is the main building block for any electronic instrument and as such is the backbone for the hardware industry. The Telecommunication, computer production, Industrial automation, defence and aerospace industries, medical electronics even modern energy meters depend on this product. At present, the requirement of copper clad laminates for the India PCB industry is about 2.5 million square feet per annum. This consists of various combinations of core and copper foil thickness. The Installed capacity of production of GPEL is only about half a million square feet per annum (less than 42,000 feet per month). However, according to the published reports of GPEL, they have never attained even 20% of the installed capacity. Therefore, GPEL can no way meet the demand of Indian PCB Industry, even if they reach the full capacity utilization. Therefore, the levy of anti-dumping duty does not arise without solving the supply-demand situation.
- (x) Copper Clad Laminates are used by PCB Industry with an Annual turnover of Rs.600 crores and the PCB's are used by various industries like Telecommunications, Industrial Computers, Computers, Defence and Aerospace Electronic Hardware. Indian PCB Industry is subject to stiff international competition and is required to meet international standards in its production in order to compete with the International and Indian market situations. Based on our estimate, the annual demand of copper clad laminates for PCB industry is 24,00,000 lakhs square meters (i.e. 2 lakhs square meters per month all grades put together). The total installed capacity of GPEL is only approximately 4,86,000 square meters p.a. (40,500 sq. meters per month).
- (xi) As per the industry norms laminates manufacturers are approved by the manufacturers of electronic goods for their PCB requirements. The customers specify what type of laminates is to be used for manufacturing their PCB. This approval of laminate manufacturer is primarily done based on the technology, installed capacity of the specific laminate manufacturer and other factors. Therefore, PCB industry cannot make use of the laminates manufactured by the company, which is not being approved by the customers because of standards laid down by them with regard to quality, quantity and ability to meet the supply schedule.

- (xii) M/s Gujarat Perstorp does not manufacture sophisticated laminates of quality with high CTI, High TG with special characteristics needed for intricate electronic equipment, defence and space application etc and as demanded by the international customers for their Printed Circuit Boards. These are specially manufactured by International manufacturers and cannot be met by M/s. Gujarat Perstorp.
- (xiii) Importers of Single sided PCB use paper phenolic laminate, mainly of the FR-1 grade. This grade of copper clad laminate is used commonly for the PCB requirement of the consumer electronic sector such as TVs, audios, etc. The PCB manufacturers have no right to decide the copper clad laminate to be used for PCBs to be supplied to any of them. We can say with 100% confidence that most of the above MNCs and Indian companies with MNC backup have not approved Gujarat Perstorp as a laminate supplier for their PCB requirement.
- (xiv) M/s PTC Global, Kolkata, on behalf of their principal M/s. Hualida Copper Clad Laminate Co. Ltd., China and other importers, have registered their protest against implementation of anti dumping duty which is against the interests of PCB industry in India.
- (xv) Some importers have argued that they are buying the subject goods from China PR as it is always healthy to have alternative vendors for the material. It would be unwise to have only one supplier, in case the exporter of the subject goods withdrew from the market then there would be monopoly of the petitioner, as there would no Indian manufacturers remaining.
- (xvi) The importers have observed various problems in the laminates while processing and these problems were thickness variation in laminates, blistering, copper peel off, twist, dents on surface, improper surface finish and so on. They add that they received instructions from their customers not to use the petitioner's laminates for the PCB. Lot of batches have been rejected and we are not satisfied with the quality they supplied. They have mentioned inconsistency in quality and supply and inability of the petitioner to supply the material at the right time as the major factor for not buying the material from the petitioner.

#### D. VIEWS OF EXPORTERS

##### 5. Trade & Industry Department, Govt. of Hong Kong Special Administrative Region.

- (i) The Trade & Industry Department SAR, is surprised by the Authority's decision to initiate another AD investigations against Hong Kong. They state that the petitioner has abandoned the internationally accepted HS Tariff Classification and has obtained data from

unknown source of IBIS to justify its claim. Worst still, the petitioner did not mention its status as sick company since 1997 and is currently under a forced rehabilitation scheme by Govt. They have requested that because of nature of products and its uses, HS Heading 7410 or more precisely the sub heading 7410.21 has sufficiently referred to the product in question and the scope of the investigations should not be extended to the total products in chapter 74. They do not any doubt on the substitutability between domestic products in India and imports from subject countries/territories. However, the scale of production definitely varies a lot among the seven countries.

- (ii) They have requested the Authority to disregard the constructed cost approach for the determination of the Normal Value. Instead they have given a factual account of the normal values for Hong Kong exports of copper clad laminates. As regards the exports price, They have requested the Authority to adopt the DGCI&S figures for calculation of the dumping margin and thus they maintain that there was no dumping margin for all the range of copper clad laminates.
- (iii) As per the extracts of annexure 1.1, the Hong Kong imports are below the de minimum limits specified under articles 5.8 of WTO Agreement. As regards volume injury the imports from other countries have increased much more than the subject countries during the POI and the market share of the imports of subject countries has also not shown any increase during the POI as compared to the previous years. The market share of the domestic industry in total demand has increased during POI as against previous year. The production and capital utilization of the domestic industry are close to the base period of 2000-01 and the productivity of the domestic industry has increased in the POI as compared to previous year. They further maintain that there is no causal link between the injury of the domestic industry and the import product and its suffering are due to the other factors not attributable to the imported goods.

#### 6. M/s. DOOSAN CORPORATION, KOREA RP

M/s. Doosan Corporation has responded to the Exporter's Questionnaire and has given the information pertaining to the various appendices listed in the Questionnaire. They have not submitted any comments to the petition filed by the domestic industry.

#### 7. M/s. ISOLA ASIA PACIFIC (SINGAPORE) INC. SINGAPORE, M/s. ISOLA LAMINATES SYSTEMS COMPANY, CHINA PR, M/s. ISOLA ASIA PACIFIC (HONG KONG) LTD. HONG KONG, M/S. ASIA ISOLA PACIFIC (TAIWAN), INC., TAIWAN

These exporters confirmed that they have not exported the subject goods during the POI.

8 Department of Foreign Trade, Thailand

They have commented that the evidence supporting dumping, injury and causal links are insufficient. They have clarified that Thailand did not export the subject goods to India during the POI. They have requested the Authority to examine the accuracy and adequacy of the evidence provided in the application to determine whether there is sufficient evidence to justify initiation of an investigation.

9. M/s. ISOLA PACIFIC (PHILIPPINES), INC. PHILIPPINES

The exporter has responded to various appendices listed in the exporter's questionnaire, which have been appropriately dealt under the relevant sections. They have submitted arguments with regard to Product Under Consideration, Indian Industry, Normal Value, Export Price and Injury to Domestic Industry which are similar to the arguments advanced by M/s. IPCA, Bangalore. They further state that the price range for these laminates in the export market range from US \*\*\*\* to US \$ \*\*\*\* per sq. m. within the broad category of FR 4 DS. The claims by the domestic industry that the subject goods with the price of 100 per sq. m. (Index Price) is commercially and technically substituted with other copper laminates of price range of 368 per sq. m. (Index Price) is factually erroneous. This substantiates the apprehension that the domestic industry has alleged dumping and injury based on the incomplete description of subject goods and accordingly the Authority must insist on complete and comprehensive details on various grades and types of copper laminates and end users in order to have a realistic assessment of dumping based on representation of domestic industry for levy of anti-dumping duty.

10. M/S. NAN YA PLASTIC CORPORATION, TAIWAN

They have responded to some of the appendices mentioned in the exporter's questionnaire, which are being dealt in the relevant sections.

11. M/S. KINGBOARD LAMINATES LIMITED, HONG KONG.

They have responded to some of the appendices mentioned in the



exporters' questionnaire, which have been dealt in the relevant sections.

12. M/s. Hualida Copper Clad Laminate Co. Ltd., China, PR

The exporter has registered their protest against implementation of anti dumping duty. They state that they exporting and marketing laminates in India, through their agent M/s. PTC Global Pvt. Limited.

13. M/s. Bangkok Industrial Company Limited, Thailand

They state that their product is copper foil and not copper clad laminates. They have also stated that they sell nothing to India and they are not exporter/producer of the subject goods.

14. M/s. Nam Hing Industrial Laminate Limited, Hong Kong.

The exporter has not advanced any argument in his submission. They have submitted replies to the exporters questionnaire.

E. EXAMINATION AND FINDING BY AUTHORITY:

15. The submission made by the domestic industry, exporters and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

**Product under consideration**

16. The product under consideration as mentioned in the Initiation Notification in the present petition is Copper Clad Laminates (CCL) which are laminates of paper or glass fabric or composite of a kind used to make printed circuit boards and depending on the number of prepregs used and thickness of copper foil and its coating on the prepreg (i.e., both side or single side), a number of different types of copper clad laminates can be made to meet specific end requirement. The Authority notes that different subtypes of laminates differ significantly in terms of their associated costs and prices.

17. Manufacturing process of laminates involves impregnation of glass fabric or paper fibres with appropriate resin, drying of resin and hardening of Prepregs, forming of a laminate using Prepregs and copper foils, pressing of Prepregs in a Hydraulic Press and trimming and cutting to size. Depending upon the basic reinforcement used (paper or glass), type of binder used and copper cladding done, the product have been categorized as paper phenolic Copper Clad Laminates, glass epoxy copper clad laminates and composite copper clad Laminates. Some importers of the subject goods have pointed out that the Petitioner does not manufacture three prepegs of type 2116 and 1080 which are required for copper clad laminates bearing thickness less than 0.7 mm. It is also claimed that for the manufacture of multilayered laminates, it is imperative to use laminates with thickness ranging from .075 mm to .080 mm. They have further added that it is imperative to use prepegs and inner core of the same manufacturer because of the problems of delamination which results into weak spots, ranging starvation resulting into rejection and registration failures. In response to the contention of the importers the petitioner ha also confirmed that mix of laminates and prepegs of different suppliers is not advisable with regard to laminates below 0.8 mm thickness. Keeping in view the claims of the domestic industry, the response of the other interested parties and the available material on record, the Authority, therefore, provisionally restricts the scope of product under consideration of Copper clad laminates to thickness 0.8mm to 3.2 mm. For the Preliminary determination, the Authority also finds that the standards set by NEMA (National Electrical Manufacturers Association) are largely used by the producers and consumers alike and the same sufficiently describes technical parameters of the product. The Authority, therefore, confirms that product under consideration in the present investigation is copper clad laminates belonging to thickness 0.8 mm to 3.2 mm (both 0.8mm and 3.2mm inclusive) and which may be phenolic based on paper (NEMA grade FR 1&2 and XPC), glass based (NEMA Grade FR4 Single sided or double sided) and composite (NEMA grade CEM-1) (**hereinafter referred to as subject goods**). Thickness less than 0.8mm and more than 3.2mm and NEMA grades other than mentioned above are not under the scope of investigation.

18. Copper Clad Laminates are produced, sold and measured in terms of Square Meter, Numbers, Kilograms, Sheets, and Pieces etc. The product falls under customs classification 7410.21 under the Customs Tariff Act. The product attracted 5% basic customs duty in the present investigation period.

Like article

19. The Petitioner claimed that there is no major difference in the subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from subject countries. The petitioner further claimed that the technology employed is also the same, even though the scale of operation may differ. Subject goods imported from subject countries and goods produced by the domestic industry were claimed comparable by the petitioner in terms of their characteristics such as physical/ mechanical and electrical properties, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, distribution & marketing, pricing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. Petitioner further claimed that the consumers have used the two interchangeably. Goods produced by the petitioner were claimed to be a like article to the goods imported from the subject countries within the meaning of anti-dumping Rules

20. Importers, consumers and exporters have claimed that the goods produced by the petitioner are not comparable to the goods imported from the subject countries. They have pointed out various physical and chemical defects in the product sold by the petitioner and have also added that their products are not certified by the major international testing organizations, and major companies in the user industries who are mostly transnational. They have represented that these user industries specify their own standards and sources from where subject goods need to be sourced. They have also represented that the subject goods manufactured by the domestic industry do not get past the standards set by the major hardware manufacturers and thus they cannot source the material from the domestic industry. There are also arguments that the Copper Clad laminates have different thickness and costs of different subtypes are different based on the base material, thickness of Copper foil and number of prepregs used and thus they cannot be taken as like article and any comparison with the domestic manufactured goods need to take into account of these factors.

21. The Authority has examined the submissions made by the interested parties and has also examined the submissions of the domestic industry.

The Authority notes that Rule 2(d) defines like article as follows: -

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.

The Authority notes that technical specifications of the subject goods produced and supplied by the petitioner are comparable to the goods imported from the subject countries and the two are comparable in terms of physical, chemical properties and substitutability in terms of its usage. The goods are closely resembling in terms of various parameters. Further, no quantifiable differences between the domestic and imported product have been brought out by these interested parties. As regards the claims of various interested parties regarding the poor quality of the subject goods produced by the domestic industry, the Authority holds that differences arising in the use of these two products have not been brought out quantifiably by any interested parties. The goods produced by the producer and used by the importers use subject goods of NEMA specifications only. Further, with regard to quality issues the Authority has examined this aspect with the domestic industry and has determined that the total quality claims as a proportion of their total sales have declined from \*\*\*\*\*% to \*\*\*\*\*% and comprises less than 0.7% of the total value of sales made by them. As a mark of acceptance of the subject goods into the world market and international acceptance, they have also submitted the following certification

- (a) Electronic Components Standardization Organization (LCS) of Ministry of Defence, Govt. of India.
- (b) ISO 9001-2000 – Quality Management Systems from American Quality Assessors (AQA).
- © Underwriters Laboratories (UL) USA.

For the determination of the Like Article, the Authority is required to see whether various types are comparable in terms of parameters such as product specifications, physical and technical characteristics, manufacturing process and technology, plant and equipment, functions and uses, their substitutability, tariff classification and consumer perception. The Authority agrees that different types of laminates vary significantly in terms of associated costs and prices. These differences result due to use of different raw material and layers which different laminate has. However plant and equipment-manufacturing process employed to different types of laminates with different thickness and types along with their tariff classification, functions and uses are still the same.

Keeping in view the arguments made by various interested parties, and the available material on record, the Authority provisionally holds that the subject goods (CCL belonging to Glass epoxy (FR4 D/S), paper phenolics (FR 1&2 and XPC and composite (CEM-1) pertaining to different thickness (between 0.8mm and 3.2mm) produced by the domestic industry are like article to the goods imported from and sold in the subject countries.

#### **F. Domestic industry**

22. The petitioner had represented that they were the sole producer of the subject goods during the investigation period and other producers had suspended production due to dumping from other countries. They have also claimed that other producers of the subject goods i.e M/s Bakelite Hylam, secunderabad and PCS, Pune have extended support to them. The Authority on the basis of the information placed on record notes that other two producers, who have extended their support to the petitioner, have since suspended their production (M/s PCS, Pune since November 2001 and M/s Bakelite Hylam since August 2002). It is further noted that the petitioner along with the said exporters's output of the subject goods constitute a major proportion of the total domestic production of that article and hence they constitute domestic industry under Rule 2(b) of the Anti Dumping Rules. Accordingly, the petitioners satisfy the criteria of standing to file the petition on behalf of the Domestic Industry in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra.

#### **G. De Minimus**

23. As regards ascertaining that the imports from the subject countries during the period of investigation (POI) are above de-minimus levels, the Authority has referred to the transaction wise data from the subject countries as made available by IBIS.

Import from subject countries Source IBIS		
Countries	Imports SQM	% of Imports from

		Subject countries
China PR	355556	29.38
Hong Kong	91724	7.58
Taiwan	135281	11.18
Singapore	22073	1.82
Thailand	21713	1.79
Philippines	261616	21.62
Korea RP	302919	25.03

The Authority, provisionally, holds that imports from Thailand and Singapore are de-minimis within the meaning of the Rule 14 of the Anti Dumping Rules for the purpose of preliminary Findings pending further investigations.

#### H. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN:

24. Under Section 9A(1) I of the Customs Tariff Act 1975, Normal value in relation to an article means:

- (25) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (25) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
- (25) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (25) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative,

selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)";

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

25. CHINA PR, HONG KONG, TAIWAN, SOUTH KOREA, PHILIPPINES

The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). Few exporters have responded to the questionnaire in the form and manner required as per letter to the exporters and exporters questionnaire.

1. M/s Doosan Corporation, Korea RP :

M/s. Doosan Corporation, has responded to the exporters' questionnaire by giving information with regard to various appendices mentioned in the exporters' questionnaire. As per Appendix I, they have submitted an account of domestic sales made by them by giving invoice numbers, dates, customer name, quantity and various discounts and adjustments. In the appendix II, they have given similar information with respect to exports to India. In the appendix IIA, they have mentioned sales of goods of the company in terms of exports made to India, domestic market sales and export to other countries for the period of investigation and two years prior to POI. However, they have not submitted customer-wise export sales to India as per appendix IIB though they have mentioned operating statistics as per appendix III. They have submitted appendix IIIA giving an account of sales price structure for export to India during the POI for the various grades giving the break up in terms of before FOB and after FOB. Similar appendices have also been provided by them with regard to sales price structure for domestic sales. As per appendix IV, they have given a statement showing install/rated capacity, production and sales. As per appendix V they have submitted a statement of raw materials and packing material consumption and reconciliation. However, they have not submitted statement of raw material consumption as per appendix VI and have also not submitted allocation and apportionment of expenditure as per appendix VII. They have furnished a statement of cost of production as per appendix VIII, and have further submitted an account of factory cost and profit of exports to India and of domestic sales under appendix VIII A & B.

The response of the exporter has been examined by the Authority. After examining appendix VIII and I of the exporters' questionnaire it is provisionally determined that domestic sales are under the ordinary course of trade. The authority for the purpose of preliminary findings, provisionally accepts the data submitted by the exporter for normal value and export price determination by taking ex-factory price for domestic sales as normal value and ex factory price for sales to India as export price subject to further verification and investigation though they have not submitted all the required information as per the exporters' questionnaire as mentioned in the preceding paragraph. The Authority has assessed the normal value for the cooperating exporter after making all the adjustments required to be made at the ex-factory level as claimed by the exporter. Similarly, the authority has assessed ex factory export price of the cooperating exporter after allowing various adjustments as claimed by the exporter while arriving at net export price at the ex factory level. The Authority has worked out a Dumping margin for each of the different grades (NEMA) and thickness of copper foil of the subject goods by making a comparison between the normal values at the Ex. Works level and export price at ex factory level. This comparison was based on the weighted average selling price of each type/grade/thickness of the subject goods manufactured by the producers/exporters and exported to India during the POI for which a comparable type/grade of the subject goods could be found. Thus, weighted average overall dumping margin was determined by computing the dumping found on each type without zeroing negative dumping found on individual types. The comparison showed the existence of dumping of the subject goods by the exporter during the POI. The weighted average dumping margin, expressed, as a percentage to the export price has been determined.

## 2. Other Exporters from Korea RP

The Authority notes that none of the other exporters has responded from Korea RP to the exporters' questionnaire. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party/parties. Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods. The ex-factory export price has been arrived at taking the weighted average export price during the POI after making applicable adjustments towards commission, ocean freight, etc and thereafter the dumping margin for the Non cooperating exporters has been established.



### 3. M/s ISOLA Philippines, Philippines.

The exporter has submitted transaction wise information on account of domestic sales as per Appendix I of the Exporters Questionnaire. They have submitted the customer wise information with regard to sales to India of the subject goods during the period of investigation. They have also mentioned the various grades in these sales. As per appendix 2A they have submitted the sales of the goods of the company pertaining to various grades though the thickness wise information has not been separately enclosed. As per appendix 3A and 3B, they have submitted sales price structure for export to India and for domestic sales for the various grades and thickness of the subject goods. They have submitted financial statements for the year 1999-2000 and period of investigation. They have submitted the statement as per appendix 4; showing installed and rated capacity, production and sales. As per appendix 5 and 6, they have submitted statement of raw material consumption and reconciliation. They have also submitted allocation and apportionment of expenditure as per appendix 7 of the exporters questionnaire. They have statement of cost of production as per appendix 8 and have further given factory cost and profit of exports to India, domestic sales and to countries other than India. As per appendix 9, they have given a statement of allocation of selling general and administrative overheads.

The authority notes that exporter has not given grade wise information with respect to factory cost and profit of domestic sales as per appendix 8B. The authority for the purpose of preliminary findings, provisionally accepts the data submitted by the exporter for normal value and export price determination by taking ex-factory price for domestic sales as normal value and ex factory price for sales to India as export price subject to further verification and investigation though they have not submitted all the required information as per the exporters' questionnaire as mentioned in the preceding paragraph. The Authority has assessed the normal value for the cooperating exporter after making all the adjustments required to be made at the ex-factory level as claimed by the exporter. Similarly, the authority has assessed ex factory export price of the cooperating exporter after allowing various adjustments as claimed by the exporter while arriving at net export price at the ex factory level. The Authority has worked out a Dumping margin for each of the different grades (NEMA) and thickness of copper foil of the subject goods by making a comparison between the normal values at the Ex. Works level and export price at ex factory level. This comparison was based on the weighted average selling price of each type/grade/thickness of the subject goods manufactured by the producers/exporters and exported to India during the POI for which a comparable type/grade of the subject goods could be found. Thus, weighted average overall dumping margin was determined by computing the dumping found on each type without zeroing negative

dumping found on individual types. The comparison showed the existence of dumping of the subject goods by the exporter during the POI. The weighted average dumping margin, expressed, as a percentage to the export price has been determined.

#### 4. Other Exporters from Philippines

The Authority notes that none of the other exporters has responded from Philippines has responded to the exporters' questionnaire. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party/parties. Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods. The ex-factory export price has been arrived at taking the weighted average export price during the POI after making applicable adjustments towards commission, ocean freight and thereafter the dumping margin for the Non cooperating exporters has been established.

#### 5. M/s KINGBOARD Laminates, Hong Kong

The Exporter has not submitted the transaction wise information pertaining to domestic sales as per Appendix 1 of the questionnaire. Instead they have submitted information on month wise basis, which does not describe invoice numbers, customer names, payment terms and other information listed in the Appendix-1 of the exporters questionnaire. They have not submitted any information for Appendix—ii relating to exports made to India. In Appendix –2A, they have not submitted month wise information pertaining to sales made during POI and two years preceding POI for domestic sales, sales made to India and sales to third country. Further they have not submitted any information for Appendix iii onwards as per exporters questionnaire. Thus they have not specified their sales price structure as well as factory costs and sales made to India and domestic sales. They have also not submitted any costing information relating to apportionment of expenditure, raw material consumption and other relevant information as per the exporters questionnaire.

The Authority notes that the exporter has not submitted information in the form and manner required under the exporters questionnaire. As no

information has been submitted under Appendix 8 and no transaction wise information has been furnished by the exporter, the Authority can not determine whether the sales have made in the ordinary course of trade. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by the exporter. Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods. Export price at the ex-factory level has been determined by taking weighted average export price to India from Hong Kong with applicable adjustments and thereafter the dumping margin has been established.

#### 6. Other Exporters from Hong Kong

The Authority notes that none of the other exporters has responded from Hong Kong to the exporters' questionnaire. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party/parties. Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods. The ex-factory export price has been arrived at after taking into account weighted average export price for the type/grade during the POI and making applicable adjustments towards commission, ocean freight, etc and thereafter the dumping margin for the Non cooperating exporters has been established.

#### 7. M/s NAN YA Plastics, Taiwan:

The Authority notes that the exporter has not submitted information in the form and manner required under the exporters questionnaire. As no relevant information has been submitted under various Appendix, the Authority can not determine whether the domestic sales have made in the ordinary course of trade. The exporter has submitted a few invoices pertaining to sales made to India and has given an account of price comparison of India price and Taiwan price of the subject goods. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party/parties.

Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods. Export price at the ex-factory level has been determined by taking their weighted average export price to India with applicable adjustments and thereafter the dumping margin has been established.

#### 8. Other Exporters from Taiwan

The Authority notes that none of the other exporters has responded from Taiwan to the exporters' questionnaire. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party (ies). Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods. The Authority, therefore, has determined the normal value for other exporters from Taiwan as per the best information available in terms of 6(8) of the anti dumping rules. The ex-factory export price has been arrived at after making applicable adjustments towards commission, ocean freight and thereafter the dumping margin for the Non-cooperating exporters has been established.

#### 9. M/s Nam Hing Industrial Laminate Ltd, China PR

The Authority notes that the exporter has not submitted information in the form and manner required under the exporters questionnaire. As no relevant information has been submitted under various Appendixes, the Authority cannot determine whether the domestic sales have made in the ordinary course of trade. The exporter has submitted some information as per the old exporters questionnaire. However they have not submitted information relating to the various grades of the subject goods as asked specifically in the exporters questionnaire. It is also noted that they have also not supplied any information rebutting the presumptions as mentioned in the 8(3) of the Annexure I of the Anti Dumping Rules pertaining to Non market economy. In the absence of relevant information from the exporter, the Authority has determined the normal value as per the best information available i.e. by constructing

the cost of production with a suitable margin for profit as per the best information available. Export price at the ex. Factory level has been determined by taking weighted average export price to India after taking account total volume of imports from China PR with applicable adjustments and thereafter the dumping margin has been established.

#### 10. Other Exporters from China PR

The Authority notes that none of the other exporters has responded from China PR to the exporters' questionnaire. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party/parties. Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods. The Authority, therefore, has determined the normal value for other exporters from China PR as per the best information available in terms of 6(8) of the anti dumping rules. The ex-factory export price has been arrived at after making applicable adjustments towards commission, ocean freight and thereafter the dumping margin for the Non-cooperating exporters has been established.

Country	Name of the Exporter/Producer	D.M%
Korea RP	M/s DOOSAN Corp,	29.49
	Other Exporters	56.46
Hong Kong	M/s Kingboard Laminates,	40
	Other Exporters ,	40
Taiwan	M/s NANYA Plastics,	40.67
	Other Exporters,	40.67
Philippines	M/s ISOLA	14.47
	Other Exporters,	39.47
China PR	M/s Nam Hing Industrial Laminate	57.17

	Other Exporters,	57.17
--	------------------	-------

I. INJURY:

26. Under Rule 11 supra, Annexure –II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

1. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra
2. The effect of the dumped imports shall be assessed, in accordance with para 6 of the Annexure II to the Rules, in relation to the domestic production of the Like Article when available data permits separate identification of that production on the basis of such criteria as the production process, producers' sales and profits. If such separate identification of that production is not possible, the effect of the dumped imports shall be assessed by the examination of the production of the narrowest group or the range of products, which includes the like product for which the necessary information can be provided.
3. It is observed that though the different types of copper clad laminates have different characteristics, usage, etc. there are a number of processes, which use common equipment and facilities. In view of the fact that the production processes as well as the production capacities overlap each other in varying proportions, it would not be appropriate nor feasible to assess the injury to the domestic industry for each individual types of laminates. The Authority, therefore, in accordance with para 6 of the Annexure II to

the Anti-Dumping Rules, considers it appropriate to assess the injury for all different types of copper clad laminates cumulatively.

### EXAMINATION BY THE AUTHORITY

27. Analysis of Injury to the domestic industry has been done on the basis of the information available on record and the verification done by the officials of Directorate of Anti-Dumping & Allied Duties. The injury determination and injury analysis have been done on the basis of imports of subject goods from the subject countries during the POI and preceding years. For determining total volume of imports during the POI and previous years, the Authority has taken the import data of the subject goods from for subject countries and countries other than subject countries as no transaction wise data has been made available with the units as square meter from DGCI&S. Moreover, Exporters have mentioned units as SQM as unit of exports in all their transactions. For the purpose of determining price undercutting, price underselling and price suppression and price depression, the Authority has compared the different CCL (Glass based, fibre based and composite), which is imported from the subject countries and those, which are manufactured and sold by the domestic industry. Further, for comparison, the Authority has taken the appropriate thickness of different CCL which has been modal during the POI and which have been sold in the largest number within various bases (glass, fibre and composite) by the domestic industry as well as largest in terms of imports from subject countries.

### Volume Injury

#### Absolute rise in Imports from Subject Countries and their market share in Total Imports

1. It is noted that the imports of subject goods from subject countries have increased significantly in absolute terms. Further, it is also noted that share of imports of the subject goods from the subject countries increased significantly in relation to total imports of the products into India. The Authority after examining the evidence provisionally concludes that the firm is facing injury on account of increased imports of subject goods from the subject countries.

Imports of Subject goods from the subject countries Units SQM				
	99-00	2000-01	Ap-De Ann	POI Ann
Subject countries	984241	992044	1279763	1587843
Other Countries	65912	33467	15458	25630
Total Imports	1050153	1025511	1295221	1613473

Share of imports from subject countries as a proportion to demand.

2. The Authority has calculated the total demand in the country by adding the total imports to the sales of the domestic industry of the product under consideration. The Authority notes that the share of China PR, Hong Kong, Taiwan, South Korea, and Philippines in total demand of the subject goods has increased during the POI while the share of other imports has increased marginally. The share of the domestic industry in the total demand has decreased POI as compared to previous year. Thus, the Authority concludes that there has been a significant rise in the market share of imports of the subject countries as a share of total demand and it has increased significantly during the POI as compared to previous years while the share of the domestic Industry has declined.

Imports of Subject goods from the subject countries Units SQM				
	99-00	2000-01	Ap-De Ann	POI An
Subject countries	100	100.7	130.03	161.3
Other Countries	100	50.78	23.45	38.89
Total Imports	100	97.65	123.34	153.64

Share of subject countries in total Imports (%)				
	99-00	2000-01	A-D 01 An	POI Ann
Subject countries	93.72	96.74	98.81	98.41
Other Countries	6.28	3.26	1.19	1.59
Total Imports	100	100	100	100

Increase in Share of Imports in relation to production of domestic industry.

3. The share of imports of the subject goods form the subject countries have increased in relation to the production of the domestic industry. The Authority, thus, provisionally concludes



that the firm is facing volume on account of increased imports from the subject countries.

Share of Domestic Industry in total demand				
	99-00	2000-01	A-D 01 An	POI Ann
Subject countries	55.8	56.64	67.2	86.11
Other Countries	3.74	1.91	0.81	1.39
Domestic Industry	13.35	17.29	9.77	11.96
Other Producers	27.12	24.16	22.22	54
Total	100	100	100	100

### Production and Capacity Utilisation

4. The production and the capacity utilization of the domestic industry has increased during the POI as compared to the preceding nine months. However, it has declined considerably from 2001-02. The domestic sales of the domestic industry has declined significantly during the POI as compared to 2000-01 though it has increased as compared to the preceding period. It is noted that the domestic industry continues to suffer low capacity utilization since 2000-01.

### PRICE EFFECT

5. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry the principle (iv) of Annexure-II of the Anti-Dumping Rules states:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic Industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilisation of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree. The Authority has compared the landed value of imports of subject goods from subject countries during

the POI with the net sales realization and has found that there has been a significant price under-cutting by the dumped imports. The landed value of imports has been found to be significantly lower than the domestic industry's net sales realization.

The Authority has also examined the claim of the petitioner that the domestic industry is suffering on account of the losses from the sale of Copper Clad Laminates. The Authority notes that price underselling is an important indicator to make an assessment of the injury. The Authority has worked out the Non-injurious price for the product under consideration and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The analysis shows a significant level of incidence of price underselling causing injury to the domestic industry. Additionally, the imports were having significant suppressing/ depressing effect on the prices in the domestic market, as the domestic industry had not been able to raise its selling price in view of the dumped imports of the subject goods. Thus examination of the available evidence shows that the domestic industry as a whole has suffered injury on its sales of subject goods during POI. The Authority has determined the extent of price undercutting during the POI and concludes that the domestic industry has suffered significant price undercutting and price underselling during the POI because of import from the subject country.

#### Selling price

6. The selling prices of the domestic industry have declined during the POI as compared to 2000-01. It is also noted that the domestic industry has been making continuous losses since past several years. Though their loss has come down during 2000-01, it has increased significantly during the Period of investigation. The Authority after examining the evidence provisionally concludes that the firm is facing injury on account of declining selling price of the subject goods.

#### Inventories

7. It is noted that in spite of reduction in production, the domestic industry is facing higher inventory in terms of opening stocks and average stocks. The Authority after examining the evidence provisionally concludes that the firm is facing injury on account of higher inventory of the subject goods.

#### Productivity & Growth:

8. The productivity of the domestic industry (production per employee) has declined considerably since 2000-01 though it has improved marginally as compared to preceding nine months.

It is also noted that the growth of the company has been negative during the POI as compared to 2000-01. In fact, the domestic industry has been experiencing a negative growth since 2000-01. The Authority after examining the evidence provisionally concludes that the firm is facing injury on account of decline in productivity and growth.

Closure of No. of Producers:

9. It is noted that the other producers of the subject goods in India has closed down their production and the Petitioner is the sole company left as the domestic industry. After examining the contention of the interested parties, the Authority provisionally concludes pending further examinations that the other firms might have been closed on account of imports from subject countries.

Ability to raise fresh investments.

10. It is noted that the petitioner has got some loans from the financial institutions earlier. The petitioner claims that the funds drawn could not be utilized due to existing adverse performance and higher interest burden. It is also claimed that so severe has been the impact of dumping that even the repayment of existing liabilities has become difficult, leave aside fresh investments. The Authority has examined the contention of various interested parties and notes that in view of the situations prevailing, the firm has little ability to raise the investments.

Employment:

11. It is noted that the employment with a company has marginally declined during the POI as compared to 2000-01 though it has increased from 99-000. However, based on the evidence made available, the Authority could not provisionally conclude any injury on account of loss of employment.

Cash Flow and Profitability:

12. The cash flow of the company, which had become positive during 2000-01 has been declining continuously thereafter and has been negative since that time. The Authority after examining the evidence provisionally concludes that the firm is facing injury on account of declining cash flow.

Price Suppression/Depression and Price Underselling.

13. It is noted that the landed price of the imports are lower than the cost of production of the domestic industry. Additionally, the

Economic Parameters Relating to the Injury					
	Units	99-00	2000-01	Ap-De An	POI Ann
Installed capacity	Index	100	100	100	100

Production	Index	100	140	91	100
Capacity Utilisation	% Index	100	140	91	100
Sales Domestic	Index	100	129	79	94
Sales Other producers	Index	100	88	24	8
Opening Stock	Index	100	58	148	160
Closing Stock	Index	100	253	273	213
Cost of Production	Index	100	105.4	104.99	87.71
Avg Selling price	Index	100	117	108	92
Profit/Loss	Index	-100	-32	-87	-58
Working Capital	Index	100	110	102	90
Capital Employed	Index	100	103	101	98.9
Return on capital	Index	-100	-22	-78	-50
Salary & Wages	Index	100	152	161	158
Productivity	Index	100	113	77	85
Growth	%	100	15	-20	-31

selling price of the domestic industry is below the cost of production of the domestic industry, which has resulted in price underselling by the domestic industry. The Authority after examining the evidence provisionally concludes that the firm is facing injury on account of price suppression, price depression and price underselling.

Price Undercutting in Copper Clad Laminates (in Rupees) PSQM

Price Undercutting during POI				
Country	Net selling Price petitioner	Landed Price from subject country	Price Undercutting	Wt Avg Price Undercutting%
China PR	****	****	****	22%
Hong Kong	****	****	****	
Taiwan	****	****	****	
DOOSAN, Korea	****	****	****	
Others Korea	****	****	****	
ISOLA, Phillipines	****	****	****	
Others, Phillipines	****	****	****	

Conclusions on Injury

28. From the foregoing, the following conclusions are made by the Authority regarding injury suffered by the domestic industry

1. Imports from the subject countries of subject goods have increased significantly in absolute terms.
2. Imports from subject countries have increased in relation to total imports of Copper Clad Laminates in India.
3. Imports from the subject country have increased in relation to the demand of Copper Clad Laminates in India.
4. Imports are significantly undercutting the selling prices of the domestic industry.
5. The petitioner is suffering from price underselling also as landed price of subject goods are below the Non Injurious price or fair selling price of the domestic industry.
6. The petitioner is suffering from price suppression/ depression as landed price of the subject goods from subject country are less than cost of production of the domestic industry.
7. The domestic industry has suffered losses on account of sales on subject goods. In fact, they have incurred losses during the POI along with their loss of sales volume during the same period.
8. On the basis of the foregoing, the Authority observed that the domestic industry has suffered volume as well as price injury. On the whole, the domestic industry has suffered material injury.

J. CAUSAL LINK:

(a) In determining whether injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority examined the impact of all known factors and their consequences on the situation in the Industry. Known factors other than dumped imports which could at the same time, have injured the domestic industry, were also examined to ensure that the possible injury caused by these other factors was not attributed to the dumped imports.

(b) Effects of the Dumped Imports:

Between 1999-2000 and the POI, dumped imports from the subject countries in market share from 55.8% in 1999-00 to 82.67%) in the POI. During the POI, it was 98.5% of the total imports. As regards the export prices, they decreased substantially during the whole period under consideration and undercut the domestic industry prices during the POI on an average by 22%.

Prices of the dumped imports were below those of domestic industry throughout the period under consideration and exerted a pressured on them which force the domestic industry to maintain depressed prices. It is, therefore, considered that the dumped imports caused material injury to the domestic industry.

© Effects of Other Factors:

Few importers have suggested that other domestic producers namely M/s Sandur laminates, which was a 100% EOU and M/s Bakelite Hylam who had closed down in 1999, has nothing to do with the injury due to dumped imports from subject countries. M/s Bakelite Hylam and M/s PCS Industries have submitted their production details upto 2001-02 and have confirmed that they had closed down their operations due to the dumping from a number of countries. After examining the contentions made by various interested parties with regard to the closure of the other two manufacturing units namely M/s PCS industries, Pune and M/s Bakelite Hylam Ltd, Secundarabad, the Authority provisionally concludes that the units have been closed due to the dumped imports from the subject countries.

(g) Self –Inflicted Injury:

It has been submitted by various interested parties that the petitioner company has significantly eroded its network over the past number of years due to inefficient performance and not due to alleged dumped imports. It has also been submitted that the company has already registered with a competent Authority (BIFR) for a rehabilitation package and continued losses being suffered by the petitioner company in over the last number of years cannot be attributed to the alleged dumped imports.

The Authority finds truth in the statement that the company has been found to have eroded its net worth due to reasons set out in the report as claimed by the various interested parties. It is also noted that competent Authority has found certain reasons for the sickness of the company and has further found that in case the company takes certain steps in overcoming these shortcomings, the company would become viable again. The Authority notes that the company has been suffering injury for a very long period and there could be several causes for this prolonged injury. Reasons for the injury has been well brought out in the report by the competent authority and action has already been

taken by the petitioner as per the copies of the return filed before the competent Authority as submitted by the petitioner. The Authority provisionally agrees with the contention of the domestic industry that it has taken sufficient steps with regard to the those factors set out in the BIFR Report which has earlier caused injury. However, the injuries earlier suffered by the domestic industry as set out in the report as mentioned earlier and now being suffered by the domestic industry is due to the different causes and time periods.. The domestic industry has claimed that the company has taken all such steps it was required to undertake as per BIFR report. The Authority agrees with the contention of the domestic industry that it would not be proper to refer to the past problems for the present injury to the domestic industry when the causes and time periods of the injury suffered are different. After examining the contentions from the various interested parties, the Authority notes that the company cannot be prevented from seeking other redressal measures to overcome injury due to the dumped imports after it has taken certain steps in overcoming problems/shortcomings mentioned by a competent Authority.

(e) Contraction of Demand:

The Authority could not find any evidence of contraction of demand, change in the pattern of consumption, trade restrictive practices and competition between the foreign and domestic producers. It is also noted that developments in technology has not been a cause for injury to the domestic injury.

(f) Imports from Third Countries:

According to the information placed before the Authority, the total import volume of the subject goods originating in third countries remained a small proportion of the total imports made by subject countries and their market share fluctuated around 2% . Therefore, they are provisionally considered not to have had a significant impact on the domestic Industry.

(g) Conclusion on Causation:

Given the above analysis, which has properly distinguished and separated the effects of all known factors on the situation of the domestic industry from the injurious effects of dumped imports, it is provisionally concluded that these other factors as such did not reverse the fact that material injury found may be attributed to the dumped imports.

It is, therefore, provisionally concluded that dumped imports from the subject countries have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of the Anti Dumping Rules.

K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST:

29. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

30. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

#### L. CONCLUSIONS:

31. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value.
- B. The Domestic Industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused cumulatively by the dumped imports from Subject Countries.

32. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of Copper Clad Laminates in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is proposed to be compared with the non-injurious price of the petitioner company determined for the period of investigation.



Accordingly, the Authority recommends that the provisional anti dumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of subject goods i.e. Copper clad laminates belonging to thickness 0.8 mm to 3.2 mm (both 0.8mm and 3.2mm inclusive) conforming to NEMA grades FR1&2, XPC, FR4 and CEM-1 falling under Custom Heading 7410.21 originating in or exported from subject countries pending final determination. In view of the significant variations in the associated costs and prices of various types of laminates and a number of countries involved in the present case, it is considered appropriate to recommend anti dumping duty on ad valorem basis. Accordingly, Anti dumping duty is recommended at a percentage of CIF export prices to India at the rate set out below in column 3 of the following table:

Country (1)	Name of the Exporter/Producer (2)	Duty%(3)
Korea RP	M/s DOOSAN Corporation	26.67
	Other Producers/Exporters	46.41
Philippines	M/s ISOLA Asia Pacific (Phls.) Inc	14.06
	Other Producers/ Exporters,	22.83
Taiwan	All Exporters/Producers	18.07
Hong Kong	All Producers/Exporters	23.89
China PR	All Producers/Exporters	43.92

33. CIF value of imports for the purpose shall be the value except all duties under the Customs Tariff Act, 1975.

M. FURTHER PROCEDURE:

34. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

(a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;

(b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;

(c) The Authority would provide opportunity to all the interested parties for making oral submissions, which have to be rendered thereafter in writing;

(d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.

(e) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority